

हिमाचल प्रदेश

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवम होम्योपैथी विभाग

बार्षिक  
प्रशासनिक रिपोर्ट

अप्रैल, 2008 से मार्च 2009.

संपर्क

निदेशक, भा. चि.प. व होम्योपैथी,  
ब्लाक न: 26, एस. डी.ए (काम्पलैक्स)  
कसुम्पटी शिमला- 171009.

दूरभाष 0177- 2622262

फैक्स 0177- 2622010

## परिचय

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवम होम्योपैथी विभाग प्रदेश के सामान्य एवं दूर-दराज/दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। इस प्रणाली ने लोगों में अपनी खास पहचान बनाई है तथा यह पद्धति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की आम जनता में श्वासरोग पाचन तन्त्र के रोग, स्नायु तन्त्र के रोग, पक्षाघात स्पाईन सम्बन्धित बिमारियां जिसमें लम्बर-अधोपृष्ठ क्षेत्र मुख्य है, गुद विदार एवम भगन्दर आदि पुरानी विमारियों को साध्य करने में विशेष रूप से लोकप्रिय सिद्ध हुई है। यह सर्वविदित है कि एलोपैथी चिकित्सा पद्धति विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं से सम्बन्धित लक्ष्य को इस विभाग की सहायता के बिना अकेले पार नहीं कर सकता है क्योंकि भारतीय चिकित्सा पद्धतियां एवम होम्योपैथी विभाग के संस्थान प्रदेश के दुर्गम एवम दूर दराज क्षेत्रों में स्थापित है। जहां वह जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने में अपनी प्रमुख भूमिका अदा कर रहे है। पारम्परिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद जीवन को शरीर, मन इन्द्रियां एवं आत्मा का सायुज्यन मानता है एवं जिस सकारात्मक स्वास्थ्य की बात होती है, वह मानव को भौतिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक अवस्थाओं में समग्र सामंजस्य द्वारा ही सम्भव है। स्वास्थ्य का यह साकल्यवादी विचार भौतिकवाद से परे डब्ल्यू० एच० ओ० द्वारा स्वास्थ्य की सयुक्त परिभाषा से बहुत मेल खाता है जिसमें 'हैल्थ-फार आल' के अन्तर्गत मानवीय चेतनाओं, भौतिक, मानसिक एवं सामाजिक कल्याण की अनुभूति का समावेश है। अतः 'भारतीय चिकित्सा पद्धतियों' के इतने विशाल ढांचे व उसकी देश-प्रदेश के दुर्गम इलाको तक पहुंच के दृष्टिगत हमारे देश में एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु आयुष का महत्वपूर्ण योगदान एवं उज्ज्वल भविष्य है।

राज्य सरकार इस पारम्परिक चिकित्सा पद्धति को काफी महत्व दे रही है, जिसके लिए भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग स्वतन्त्र रूप से दिनांक 7 नवम्बर 1984 से निरन्तर कार्य कर रहा है । इस विभाग के अधीन

चिकित्सा की निम्न पद्धतियां आती हैं:- (1) आयुर्वेद , पंचकर्मा सहित (2) योग व प्राकृतिक पद्धति (3) यूनानी (4) सिद्धा व होम्योपैथी ।

इसके अतिरिक्त विभाग के अन्तर्गत प्रदेश में 4 आमची स्वास्थ्य केन्द्र जो तिब्बति चिकित्सा पद्धति पर आधारित है, भी कार्यरत है ।

वर्ष 1984 में स्वास्थ्य विभाग से अलग होने पर आयुर्वेद विभाग में 424 आयुर्वेद, 3 यूनानी, 2 होम्योपैथी स्वास्थ्य केन्द्र तथा 12 आयुर्वेदिक चिकित्सालय कार्यरत थे । इन संस्थानों के अतिरिक्त एक आयुर्वेदिक महाविद्यालय पपरोला जिला कांगडा में, एक शोध संस्थान जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी में कार्यरत थे । दो आयुर्वेदिक फार्मेशियां माजरा जिला सिरमौर व जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी में स्थापित थी जो विभाग के लिए आयुर्वेदिक दवाईयां निर्मित करती थीं । विभाग ने इन वर्षों में नये स्वास्थ्य केन्द्र खोलने व मूलभूत सुविधाएं जुटाने में बहुत वृद्धि की है ।

इस अपूर्व उदाहरण के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश आज भारतीय चिकित्सा की इस पद्धति को विकसित करने वाला अग्रणी राज्य बन गया है ।

विभागीय संस्थानों की सूची निम्न प्रकार से है:-

(क) अस्पताल/स्वास्थ्य केन्द्र

समय ब्यतीत होने के साथ-2 आज विभाग में आयुर्वेदिक एवं हौम्योपैथिक संस्थानों की संख्याओं 441 से बढ़कर 1154 हो गई है, जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:-

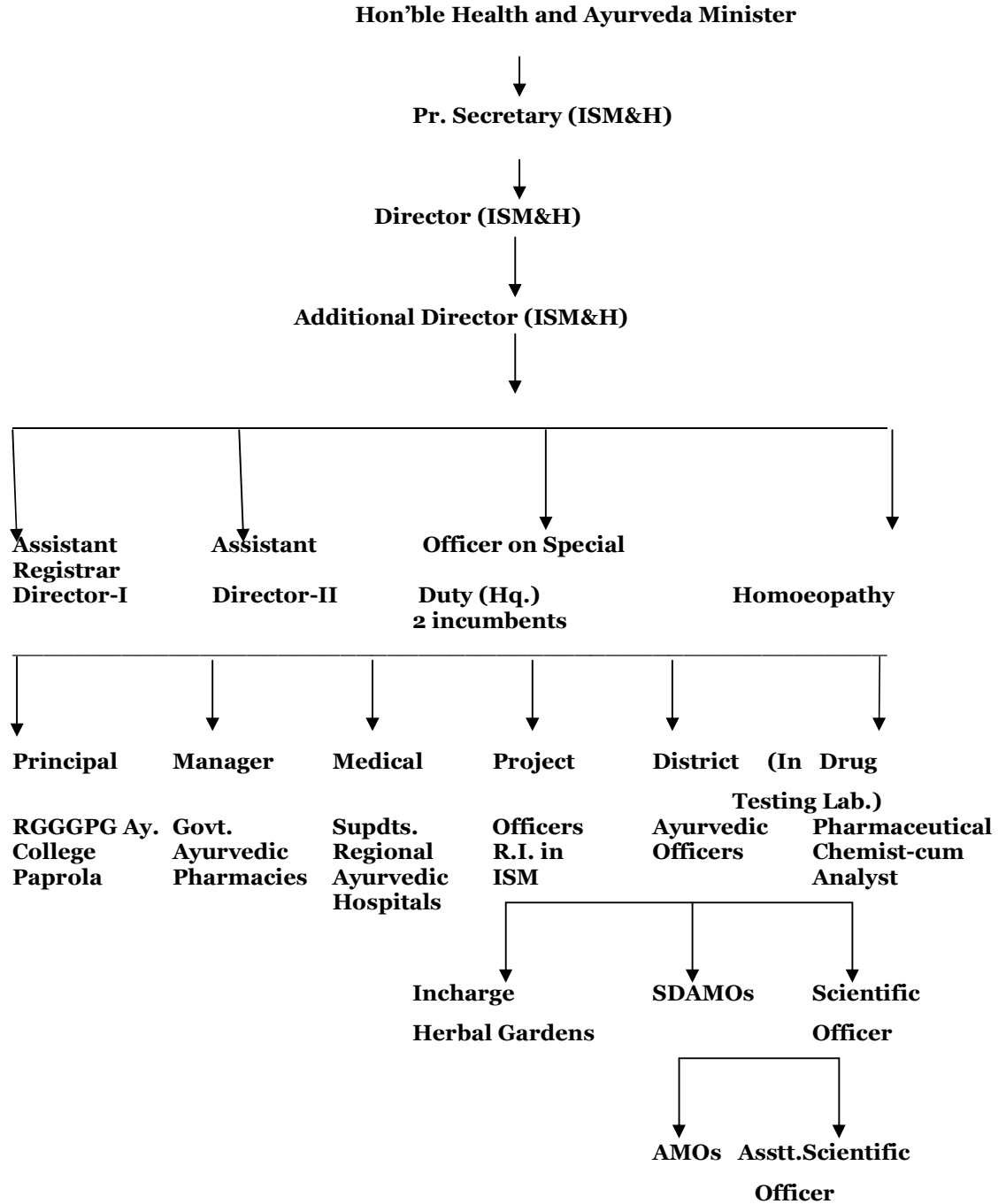
1. क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अस्पताल (प्रत्येक 150/50 विस्तरीय)	02
2. कार्यरत आयुर्वेदिक अस्पताल (20 विस्तरीय -4,10-विस्तरीय-19) (20 विस्तरीय स्वीकृत- अभी कार्य नहीं कर रहे हैं है):	23 02
3. आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र	1105
4. हौम्योपैथिक स्वा० केन्द्र	14
5. यूनानी स्वा० केन्द्र	03
6. प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र	01
7. आमची स्वा० केन्द्र	04
कुल	1154

(ख) अन्य संस्थान

1. राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय पपरोला जिला कांगडा (हि.प्र)	01
2. आयुर्वेदिक फार्मसी जोगिन्द्रनगर (मण्डी), माजरा(सिरमौर) एवम पपरोला (कांगडा)	03
3. औषध प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी ।	01
4. अनुसन्धान संस्थान भा.चि.प.	01
5. हर्बल गार्डन जोगिन्द्रनगर, नेरी (हमीरपुर) दुमरेडा(रोहडू) जंगल झलेडा (बिलासपुर)	04

वर्ष 2008-09 के दौरान उपरोक्त आयुर्वेदिक संस्थानों में 1,03,257 अंतरंग व 49,17,887 वाहिरंग रोगियों का उपचार किया गया।

# Organizational Set-up in the State Department of Indian Systems of Medicine and Homoeopathy



## निदेशालय आयुर्वेद

वर्ष 1984 से भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग के संचालन निरीक्षण हेतु एक स्वतन्त्र प्रभारी मन्त्री तथा वरिष्ठ आई.ए.एस/एच.ए.एस अधिकारी जिनके पास निदेशक आयुर्वेद का प्रभार है कार्यरत है, एक अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद का पद है, जो राज्य असैनिक सेवाओं से है। वर्तमान में दो मनोनीत विशेष कार्य अधिकारी तथा दो सहायक निदेशक तकनीकी परामर्श हेतु कार्यरत है। जिला स्तर पर एक जिला आयुर्वेद अधिकारी सभी जिलों में तथा राजस्व स्तर पर 36 उप मण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी कार्य कर रहे हैं।

### 1. (अ) निदेशालय स्तर पर दवाइयां बनाने हेतु नियम/विनियम

- 1) दवाइयां बनाने हेतु जारी किये गये नये लाईसेंस 16
- 2) जारी किए गए जी.पी.एम प्रमाण पत्र 16
- 3) अनुमोदित फार्मूले 378
- 4) दवाई बनाने वाली ईकाई का निरीक्षण किया गया 50
- 5) भारत सरकार के निर्देशानुसार औषध निर्माण लाईसेंस 01 जारी करने हेतु एक विशेष समिति बनाई गई है।

### (ब) नई सेवाएं/योजनाएं

राज्य के सभी आयुर्वेदिक चिकित्सालय में बरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रत्येक मंगलवार विशेष वहिरंग रोगी विभाग संचालित किए गए हैं।

इस स्कीम के तहत भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा इस विभाग को देश का नोडल राज्य घोषित किया है।

### जिला स्तरीय व्यवस्था

स्वास्थ्य विभाग से पृथक होने से पूर्व भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग सीधे तौर पर सम्बंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के अधीन था तथा विभाग की सभी गतिविधियां आयुर्वेदिक निरीक्षक के

माध्यम से चलाई जाती थी । स्वतन्त्र विभाग की संरचना के दृष्टिगत जिला आयुर्वेदिक अधिकारियों के पदों के सृजन हुए जिन्हें उनके सम्बंधित जिलों में हर प्रकार के कार्य को चलाने के लिए सशक्त किया गया ।

प्रत्येक जिले में प्राथमिक चिकित्सा ईकाई के रूप में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है । सभी आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए पांच कर्मचारीयों के पदों की व्यवस्था है, जिनमें एक आयु० चिकित्सा अधिकारी,, एक आयुर्वेद फार्मासिस्ट, एक ए.एन.एम./दाई एक चतुर्थ श्रेणी तथा एक स्वच्छक (नियमित/पार्ट टाईम) है। इस समय 10 जिला मुख्यालयों में एक-एक 10/20 विस्तरीय आयु० चिकित्सालय कार्यरत है जिनमें आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों व पैरा मैडिकल कर्मियों के कुल मिला कर 14 पद सृजित है जो वहिरंग व अंतरंग रोगियों की देखभाल करते है । अधिकतर आयु० स्वा० केन्द्र प्रदेश के ऐसे दूर दराज क्षेत्रों में कार्यरत है जहां स्वास्थ्य विभाग का कोई भी संस्थान नहीं है। इन स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक चिकित्सा सेवाएं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा प्रदान की जा रही है ।

प्रत्येक आयु० स्वास्थ्य केन्द्र व अस्पताल की प्रशासनिक देख रेख/निरीक्षण व दवाईयों आदि की आपूर्ति जिला स्तर से की जाती है ।

#### प्रशासनिक संरचना का विकेन्द्रीकरण

विभाग के अन्तर्गत जिला स्तर पर सभी जिलों में एक-एक जिला आयु० अधिकारी कार्यरत है । प्रशासनिक संरचना के विकेन्द्रीकरण की दृष्टि से सरकार द्वारा 36 उपमण्डलीय आयु० चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, राजस्व उपमण्डलों पर खोले गये है । इन उपमण्डलीय कार्यालयों को वित्तीय शक्तियों का विकेन्द्रीकरण जिला मुख्यालय से किया गया है । इस निर्णय/ब्यवस्था से न केवल प्रशासनिक ढांचा संरचित हुआ है बल्कि जनता को समीपतन/उनके घर

के पास सुचारु स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हुईं तथा स्वास्थ्य केन्द्रों व अस्पतालों का शीघ्र व सक्रिय निरीक्षण भी होने लगा है ।

### चिकित्सा राहत

#### प्राथमिक आयुर्वेदिक संस्थान

विभाग के पास प्राथमिक व सैकेण्डरी स्तर के संस्थानों का एक बड़ा नेटवर्क है तथा स्वास्थ्य की प्राथमिक मूल ईकाई आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र है जो 3000 से 5000 जनसंख्या वाले क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ दे रहे हैं । प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए प्रतिवर्ष लगभग 25000 रुपये की मुफ्त दवाईयाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं ।

उपरोक्त के अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा पाईलट योजना के अन्तर्गत पिछड़े/ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 25000/- रुपये की आवश्यक दवाईयाँ भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं ।

#### सैकेण्डरी/माध्यमिक स्तर के संस्थान

राजकीय आयु. चिकित्सालय माध्यमिक स्वास्थ्य देखरेख की ईकाई है । यह अस्पताल सामान्य तौर से जिला स्तर/उप मण्डलीय स्तर पर स्थापित है । इन अंतरंग अस्पतालों में 10/20 विस्तरों का प्रावधान है । प्रत्येक अस्पताल में दो-2 आठ चिकित्सा अधिकारी के अतिरिक्त एक विशेषज्ञ की नियुक्ति/तैनाती /पद स्वीकृति की गई है

#### क्षेत्रीय/राज्य स्तरीय संस्थान

क्षेत्रीय/राज्य स्तरीय ईकाई के रूप में 2 क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अस्पताल पपरोला, जिला कांगडा और शिमला-2 में कार्यरत हैं जिनमें क्रमशः 200 /50 विस्तरों की व्यवस्था/प्रावधान है । राजीव गांधी आयुर्वेदिक अस्पताल पपरोला राज्य के आयुर्वेदिक विशेषज्ञता अस्पताल के लिए जाना जाता है । यद्यपि 200 विस्तरीय होने के साथ इसमें 4 चिकित्सा विशेषज्ञ विभाग भी हैं जो कायाचिकित्सा, शल्य, बाल रोग व प्रसूति विभाग हैं ।

## राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

उक्त महाविद्यालय में 1987-88 में स्नातकोत्तर डिग्री में 20 सीटें थी जो पहले बढ़ा कर 30 की गई । वर्ष 1998-99 में जनता की जोरदार मांग पर सरकार ने 30 सीटों को बढ़ा कर 50 सीटें कर दिया है ।

स्नातक डिग्री पाच वर्ष 6 माह की होती है जिसमें एक वर्ष की कमिक इन्टरनशीप भी सम्मिलित है । यह महाविद्यालय हि0प्र0 विश्व विद्यालय से सम्बद्ध है तथा इस कोर्स में दाखिला उसी के माध्यम से होता है ।

वर्ष 1997-98 तक यहां पर कोई भी स्नातकोत्तर कोर्स नहीं थे। कालेज में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा तीन विषय, कायाचिकित्सा, शल्य, शालाक्य तंत्र में कोर्स का आरम्भ वर्ष 1999-2000 में किया गया है जिसका उद्देश्य इन विषयों के विद्यार्थियों को चिकित्सा सुविधा में सक्षम बनाना था। विषय सामग्री जो कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित है, में स्नातकोत्तर शिक्षा तीन साल की होती है जिनमें दाखिल किये जाने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्न प्रकार से है ।

1	काया चिकित्सा	06
2	शल्य तन्त्र	04
3	शालाक्य तन्त्र	04

उपरोक्त के अतिरिक्त सरकार द्वारा 3 नये विषयो में स्नातकोत्तर शिक्षा आरम्भ की है, जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :-

1) प्रसूति तन्त्र	03
2) समहितासिद्धान्त	04
3) रस शास्त्र	03

इसके साथ-2 सरकार द्वारा 5 और विषय में स्नातकोत्तर कोर्स आरम्भ करने के लिए भारत सरकार से अनुमति मांगी है, जो अभी अपेक्षित है ।

राज्य सरकार महाविद्यालय में मूलाधार सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु पर्याप्त मात्रा में धन उपलब्ध करवा रही है । महाविद्यालय में विद्यार्थियों (लड़के-लड़कियों ), प्राध्यापकों व दूसरे स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था भी उपलब्ध है ।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय (आयूष) द्वारा भी विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं के तहत महाविद्यालय के स्नातक/स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्वरूप को विकसित एवं सशक्त करने के लिए समय-2 पर धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है ।

#### राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेशियां

विभाग के अन्तर्गत 3 आयुर्वेदिक फार्मेशियां माजरा, जो. नगर व पपरोला में कार्यरत है । जोगिन्द्रनगर व माजरा की फार्मेशियां सन 1952-53 में स्थापित की गई थी तथा तब से यह फार्मेशियां स्वतन्त्र रूप से कार्य कर रही है तथा प्रदेश में विभाग के आयु० संस्थानों को निरन्तर दवाईयां निर्मित कर आपूर्ति कर रही है ।

#### औषध परीक्षण प्रयोगशाला (डी.टी.एल)

दवाईयों की गुणता वनाये रखने के लिए परीक्षण प्रयोगशाला का होना नितान्त आवश्यक है जो शुद्ध व ताजा जड़ी बूटियों पर आधारित है, इस उद्देश्य के लिए जो. नगर जिला मण्डी में उक्त प्रयोगशाला (डी.टी.एल) की स्थापना की गई है जो एक मान्यता प्राप्त संविधानिक निकाय है ।

#### हर्वल गार्डन

विभाग द्वारा प्रदेश में जलवायु पर आधारित औषध पौधों की नर्सरियां उगाने एवं जड़ी बूटी एकत्र करने के लिए निम्न स्थानों पर हर्वल गार्डन इस उद्देश्य से स्थापित किए गये है कि वह विभाग के अन्तर्गत दवाईयां बनाने हेतु शुद्ध एवम आवश्यक जड़ी बूटियां उपलब्ध करवा सके ।

1) हर्वल गार्डन जो. नगर जिला मण्डी

यह हर्वल गार्डन लगभग 25 एकड भूमि में विकसित किया गया है जिसमें विभिन्न औषध पौधों की नर्सरियां उगाई जाती है।

संस्थान द्वारा कृषि तकनीक के माध्यम से विभिन्न औषध पौधों लगाये/विकसित किये जा रहे हैं।

हर्वल गार्डन जो. नगर में अन्य गतिविधियां

1) आयुर्वेद हरवेरियम

औषध पौधों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित व संग्रहित करने के उद्देश्य से जो. नगर में हरवेरियम की स्थापना की गई है, जिसमें अधिकमात्रा में औषध पौधों के नमूनों को वैज्ञानिक ढंग से रखने व नष्ट होने से बचाने में मदद मिल रही है।

11) किसान प्रशिक्षण व विभागीय प्रदर्शनी

किसानों को औषध पौधों की जानकारी देने व उगाने के बारे में प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर कैंम्प लगाये जाते हैं।

111) हर्वल गार्डन नेरी जिला हमीरपुर

विभाग द्वारा नेरी, जिला हमीरपुर में हर्वल गार्डन की स्थापना हेतु 28 एकड भूमि अर्जित की गई है जिसमें से लगभग 10 एकड भूमि पर जलवायु पर आधारित औषध पौधों उगाये जा रहे हैं। विभाग द्वारा इस हर्वल गार्डन में उगाये जाने वाली नर्सरियां इस प्रकार से हैं:- 1) तुलसी, भृंगराज, वाकुची, बला, अतिवला, अरककरा, चित्रक, कपूर,- तुलसी, काली तुलसी, माल कंगनी, लजालू, कालहारि, टवैर, आमला, जयफल, गुंजा, विलास, सुहांजन, अमलतास, बहैडा, हरड, कड़ीपत्ता, (मीठा नीम) भूमि आमला, सुफेद मूसली तथा शावरी आदि।

स) हर्वल गार्डन दुमरेडा ( रोहडू) जिला शिमला

आयुर्वेद दृष्टि से महत्वपूर्ण 7500 मीटर उचाई वाले शीतोष्ण खण्ड में पाए जाने वाले औषध पौधों की कृषितकनीक विकसित करने के लिए दुमरेडा (रोहडू) जिला शिमला में हर्वल गार्डन की स्थापना की गई है। इस हर्वल गार्डन की मुख्य विशेषता शीतोष्ण खण्ड में औषधिय पौधों को इकट्ठा करना व महत्वपूर्ण औषधिय पौधों की खेती बाड़ी

करना है। वहां उगाये जाने वाले मूल्यावान औषध पौधों की संख्या लगभग 24 है ।

ग) हर्वल गार्डन जंगल-जलेडा (बिलासपुर)

विभाग द्वारा जंगल-झलेडा जिला बिलासपुर में लगभग 19 हैक्टेयर भूमि, वहां विद्यमान जलवायु पर आधारित औषध पौधों की खेती हेतु चयनित की गई है । इस हर्वल गार्डन में विद्यमान जलवायु व उचाई के अनुसार औषध पौधों की नर्सरियां उगाई जायेगी ।

पारम्परिक मेलों व प्रदर्शनियों में भाग लेना एवं प्रशिक्षण कैंप

भारतीय चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय करने के उददेश्य से विभाग द्वारा समय-2 पर राजीव गांधी महाविद्यालय व अन्य जिलों में पंचकर्मा व क्षार सूत्र पर प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है । राज्य में किसानों तथा अन्य लोगों के लिए किसान प्रशिक्षण शिविर तथा प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है जिसमें उन्हें प्रदेश में पाई जाने वाली औषधीय पौधों की पहचान व संरक्षण तथा प्रयोग के महत्व के बार में जागरूक किया जाता है ।

अधिकारियों के कार्यक्लाप / शक्तियां

क) प्रशासनिक शक्तियां

ख) संविधानिक शक्तियां

क) प्रशासनिक शक्तियां

विभाग के प्रमुख होने के नाते सभी प्रशासनिक व वित्तीय शक्तियां निदेशक आयुर्वेद के पास विद्यमान है, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से है :-

- 1) तृतीय व चतुर्थ क्षेणी कर्मचारियों की नियुक्तियां/पदोन्नति व स्थानान्तरण करना ।
- 2) केन्द्रीय असैनिक सेवाएं (सी,सी,एस एवम सी,सी,ए) नियमावली 1965 के अनुसार लघु/प्रमुख दण्ड लगाना ।
- 3) सभी प्रकार के अवकाश स्वीकृति करना ।

- 4) वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट को स्वीकार करना व उनका पुनरावलोकन / निरीक्षण समीक्षा करना ।
- 5) कार्य कुशलता लाने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों का निर्देशन करना ।
- 11) आयुक्त एवं सचिव (आयुर्वेद) हि0 प्र0 सरकार द्वारा उनके पत्र सं,ख्या-आयु.ख (3)-3/89 दिनांक 28-3-08 द्वारा हाल ही में निदेशक आयुर्वेद को हस्तॉतरित शक्तियों का विवरण/ व्योरा:-
  - 1) सभी वर्गों के कर्मचारियों के अवकाश सम्बन्धित मामलों का निपटारा करना केवल ऐसे मामलों को छोड़कर जिनके विरुद्ध सरकार स्तर पर अनुशासनात्मक कार्यवाही लम्बित है ।
  - 2) विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों को नियमानुसार अध्ययन अवकाश स्वीकृत करना ।
  - 3) विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों को सुनिश्चित प्रगति वाहक प्रगति योजना के तहत उच्च वेतनमान में पदस्थापित करना तथा वेतन वृद्धि स्वीकृत करना (केवल ऐसे ऐसे मामलों को छोड़ कर जिनमें या तो वित्त विभाग की अनुमति अपेक्षित है अथवा उनमें कोई विवाद है) ।
  - 4) सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम प्रायोजित करना जहाँ वित्तीय खर्चा, सम्बंधित संस्था द्वारा उठाया जाता हो ।
  - 5) विदेशों में भ्रमण आदि करने हेतु अनुमति देना ।
  - 6) पास पोर्ट बनवाने के लिए अनापति प्रमाण पत्र प्राप्त करने बारे सम्बंधित अधिकारियों से पत्राचार करना ।
  - 7) उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रवेश परीक्षा में भाग लेने हेतु अन्नापति प्रणाम पत्र देना तथा नौकरी के लिए देश-विदेश में आवेदन करने हेतु अनुमति देना ।
  - 8) अग्रिम चिकित्सा/चिकित्सा प्रतिपूरक भत्ते से सम्बंधित मामलों में स्वीकृत प्रदान करना ।
  - 9) प्रतिनियुक्ति/ सैकेन्डमेंट से सम्बंधित मामलों में अनुमति देना तथा उनका निपटारा करना ।

10) चल अचल सम्पति अर्जित / खरीदने हेतू बैंकों आदि से अग्रिम राशि लेने सम्बंधित अनुमति/स्वीकृतियां देना ।

11) विभाग द्वारा आयु0 स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए किराये पर लिये गये भवनों के किराये में शहरी किराया नियोजन एक्ट के तहत वृद्धि करना अथवा नई दरों पर किराया निर्धारित करना आदि ।

इसके अतिरिक्त कुछ और शक्तियों का हस्तान्तरण/ प्रत्यायोजन सरकार के पत्र संख्या-आयुर-ख (3)-3/89 दिनांक 22-1-09 द्वारा भी किया गया है जो निम्न है :-

- 1) दुर्गम/जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के पक्ष में अतिरिक्त ठहराव भत्ता स्वीकृत करना ।
- 2) राज्य से बाहर भ्रमण हेतु स्वीकृतियां प्रदान करना ।
- 3) निजी कार्य के लिए विदेश जाने हेतु अनुमति व अवकाश स्वीकृत करना ।

1. अधिकारियों की साविधिक शक्तियां

- 1) विभागीय आडिट ।
- 2) प्रदेश मे भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी से सम्बंधित पंजीकरण करना ।
- 3) आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण /विकय करने हेतु लाईसैन्स देना ।
- 4) अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करना ।
- 5) विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच आदि से मामलों का निपटारा करना ।
- 6) सभी प्रकार के आदेशों का निष्पादन/लागू करना
- 7) अपील, पुनर्विलोकन/संशोधन करना ।

उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करने हेतू विभाग के सभी कर्मचारी/अधिकारी निदेशक आयुर्वेद को पूर्ण सहयोग देते है ।

सभी प्रकार के मामलो मे निर्णय लेने हेतू अपनाये जाने वाली विधि के लिए निर्धारित मानकों का ब्योरा निम्न प्रकार से है:- निम्न मानक तय किये गये है :-

## क) प्रशासनिक मामले

प्रशासन में कार्य कुशलता लाने के लिए प्रत्येक मामलो का तीव्रता से निपटारा करने के लिए सभी माध्यमों द्वारा निम्न प्रक्रिया अपनाई जाती है :-

- 1) सभी मामले/पत्र डायरी में प्राप्त किये जाते हैं तथा उन पर प्राप्ति की तिथि अंकित की जाती है ।
- 2) सभी मामले/संदर्भ कार्यालय में प्राप्त होने के उपरान्त सम्बंधित कर्मचारियों को मार्क/अंकित होने के उपरान्त डायरी करके उन्हें निपटारा करने हेतु दिये जाते हैं ।
- 3) सम्बंधित व्यवहरित सहायक इन पत्रों को सम्बंधित नस्ति व सहायक रजिस्टर में अंकित करने के उपरान्त प्रस्तुत करते हैं ।
- 4) संदर्भों/मामलों को परीक्षण के लिए शाखा अधिकारी के माध्यम से सम्बंधित मंत्रालय वर्ग के अधिकारी के माध्यम से सम्बन्धित मंत्रालय वर्ग के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है ।
- 5) जिन पत्रों पर कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं होती है उन्हें शाखा अधिकारी द्वारा नस्ति में रखने की अनुमति दी जाती है। कुछ ऐसे मामले भी होते जो ब्रांच अधिकारी द्वारा निपटाये जाते हैं ।
- 6) शेष मामलों को जांच करने के उपरान्त विभागाध्यक्ष के समक्ष अन्तिम निपटारा करने हेतु प्रस्तुत किया जाता है ।
- 7) कुछ ऐसे मामले हैं जैसे नियमों में संशोधन करना, दैनिक भोगी/अंशकालीन कर्मचारियों की नियुक्तियां/नई भर्ती करना तथा बजट का प्रावधान करना आदि से सम्बंधित मामले निर्णय हेतु सरकार को भेजे जाते हैं ।

## मानकों/समय के अनुसार पत्रों/संदर्भों का निपटारा करना

- 1) सभी मामलों को प्रत्येक स्तर पर प्राथमिकता एवम विशेषता के आधार पर निपटारा करने के लिए निम्न तीन भागों में बांटा जाता है, जिनमें तुरन्त,आवश्यक व साधारण प्रमुख है,

संदर्भों का प्रकार	निपटारा करने हेतु अनुमत समय
तुरन्त	ब्रॉच / शाखा अधिकारी के स्तर से 1 दिन ।
आवश्यक	4 दिन सभी स्तरों पर 2-2 दिन
साधारण	6 दिन सभी स्तरों पर 3-3 दिन ।

उपरोक्त समय अवधि में प्रस्तुत न होने वाले पत्रों अथवा निपटारा न होने वाले पत्रों को लम्बित समझा जाता है ।

i) जन साधारण की शिकायतों का तुरन्त निवारण करने के प्रयास किये जाते हैं । शाखा प्रभारी सभी अधीनस्थ कार्यालयों के साथ ऐसी शिकायतों एंवम अन्य समस्त मामलों का निपटारा करने के लिए सम्पर्क बनाये रखते हैं ।

ii) पूर्ण प्रयास किये जाते हैं कि कोई मामला उपरोक्त समय अवधि के उपरान्त अछूता/बिना कायवाही किये न रह जाए ।

iii) नियमों/विनियमों एवं नीति निर्धारण से सम्बंधित समस्त मामलों को उच्च अधिकारी को प्रस्तुत किया जाता ।

iv) यह शाखा प्रभारी का दायित्व होता है कि वह प्रत्येक मामले को उसकी गुणवत्ता के आधार पर प्रस्तुत करांये तथा इसके लिए अधीनस्थ कार्यालय व सरकार से समय-2 पर सम्पर्क बनाये रखें ।

v) प्रत्येक शाखा अधिकारी प्रपत्रों की गुणवत्ता/विशेषता के आधार पर छानबीन करते हैं तथा उन पर यथा समय कार्यवाही करना सुनिश्चित करते हैं ।

(अ) न्याययिक/विधि मामले

न्याययिक/ विधि सम्बन्धित मामले विधि शाखा द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं । इन मामलो को गम्भीरता से विचारा जाता है तथा तुरन्त निपटारा करने के प्रयास किए जाते हैं ।

(ब) साविधिक मामले (परिनियत मामले)

- 1) भारतीय चिकित्सा पद्धति एवम होम्योपैथी व्ययसायी का पंजीकरण करना ।
- 2) सभी संस्थानों का लेखा परीक्षण करना/करवाना ।
- 3) सभी संस्थानों का निरीक्षण सुनिश्चित करना ।
- 4) विभागीय जांच पडताल एवम विवादों का निपटारा करना ।
- 5) अपील, पुनर्विलोकन व संशोधन करना ।

प्रत्येक कर्मचारी के दायित्व एवं लेख-अभिलेख आदि

से सम्बन्धित विनियम:

- 1) हि.प्र आयुर्वेदिक/व्ययवसायी नियम व विनियम ।
- 2) होम्योपैथी व्ययवसायी नियम/विनियम ।
- 3) सभी/प्रत्येक संस्थान की लेखा परीक्षा रिपोर्टों का अवलोकन/निपटारा करना ।
- 4) कार्यालय नियम/पुस्तकें ।
- 5) केन्द्रीय असैनिक सेवाएं अवकाश नियमावली-1972.
- 6) केन्द्रीय असैनिक सेवाएं नियम/सी.सी.ए नियमवली, 1965 ।
- 7) हि0प्र0 एफ.आर. व एस.आर नियमावली ।
- 8) सामान्य भविष्य निधि/पैशन नियमावली ।
- 9) चिकित्सा प्रतिपूर्ति नियम ।
- 10) अवकाश यात्रा राहत नियम ।
- 11) गृह अग्रिम ऋण नियम ।
- 12) कार्मिक विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रकाशित कार्मिक मामलो से सम्बंधित पुस्तिका ।  
उन अभिलेखों/विवरणों की सूची जिन्हें कार्यप्रणाली

चलाने के लिए नियन्त्रण में रखा जाता है । जन प्रतिनिधियों के प्रतिवेदन तथा उनसे विचार विमर्श के बाद निर्धारित नीति एवम उन्हें लागू करने के लिए प्रवन्धों का विवरण:-

1. विभागीय वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट (प्रति वर्ष प्रकाशित की जाती है)

2. विभागीय संस्था अनुसार निर्देशिका (आवश्यक परिवर्तन के उपरान्त शीघ्र ही जारी की जाती है)

बोर्ड/कांसिल अथवा दो या दो से अधिक व्यक्तियों की कमेटी जो आम जनता की शिकायतों आदि का निवारण करती है तथा उनकी बैठकों की कार्यवाही जनता के लिए मांग पर उपलब्ध होती है।

हि.प्र. भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद एवं यूनानी बोर्ड तथा होम्योपैथिक कौंसिल जिनके प्रमुख रजिस्टार होते हैं, एवं वह, विभागाध्यक्ष, जो पंजीकरण बोर्ड/कौंसिल के अध्यक्ष हैं, के अधीन कार्य करते हैं।

VIII) विभागीय अधिकारियों के नाम/पते एवं अन्य अभिलेख से सम्बंधित नियमों/विनियमों पर आधारित निर्देशिका।

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग में स्वीकृत/कार्यालय स्टाफ का विवरण निम्न प्रकार से है:

क्रमांक	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	निदेशक	01	01	.....
2	अतिरिक्त /संयुक्त निदेशक	01	..	01
3	प्रशासक	01	...	01
4	सहायक निदेशक	02	02	....
5	विशेष कार्य अधिकारी अभिहित (Designated)	01	02 केवल-मनोनीत	01
6	प्रबन्धक आयुर्वेदिक फार्मसी	03	—	03
7	विशेष कार्य अधिकारी फार्मसी	01	—	01
8	चिकित्सा अधीक्षक	02	02	.....

9	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी	12	10	02
10	वैज्ञानिक अधिकारी	01	.....	01
11	विकिरण विज्ञानी / रेडियोलोजिस्ट	01	.....	01
12	निश्चेतन अधिकारी / ऐनेस्थिस्ट	01	.....	01
13	प्रधानाचार्य	01	....	01
14	प्रोफेसर	11	07	04
15	रीडर	21	14	07
16	परियोजना अधिकारी	01	.....	01
17	बरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक	18	04	14
18	बरिष्ठ लैक्चरर	17	12	05
19	लैक्चरर	16	12	04
20	वनस्पतिज्ञ	01	....	01
21	फर्मासियूटिकल कैमिस्ट	01	....	01
22	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी	36	32	04
23	आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी	1148	932	216
24	होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी	14	11	03
25	यूनानी चिकित्सा अधिकारी	03	02	01
26	आमची चिकित्सक	04	01	03
27	सूचना / प्रसार एवं प्रशिक्षण अधिकारी	01	—	01
28	प्रभारी हरवेरियम	01	01	—
29	सहाय प्रबन्धक फार्मैसी	02	02	—
30	अधीक्षक ग्रेड-1	05	05	—
31	अधीक्षक ग्रेड-11	20	15	05
32	अनुभाग अधिकारी (लेखा)	03	02	01
33	वरिष्ठ सहायक	45	43	02

34	कनिष्ठ सहायक/लिपिक	111	86	25
35	निजि सचिव	01	01	—
36	वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक	01	01	.
37	कनिष्ठ आशुलिपिक	01	01	—
38	आशुटंकक	04	03	01
39	संख्यिकी सहायक	02	—	02
40	गार्डन ईन्चार्ज	04	03	01
41	आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट	1174	578	656
42	होम्योपैथिक कम्पाउडर	14	13	01
43	आमची डिस्पैन्सर	04	—	04
44	स्टाफ नर्स	54	32	22
45	वार्ड सिस्टर	03	03	:
46	ए.एन.एम	190	154	36
47	दाई/मिडवाईफ	894	510	384
48	लैब तकनिशियन	38	18	20
49	तकनीकी सहायक	03	—	03
50	फिजियोथरैपिस्ट	01	—	01
51	लैब अटैण्डेंट	18	13	5
52	मकैनिक	03	01	02
53	योगा अनुदेशक	01	—	01
54	क्लाकार	01	01	—
55	सहायक लाईब्ररियन	01	01	—
56	बिजली मिस्त्री	01	01	—
57	पलम्बर	01	01	—
58	आप्रेसन थियेटर सहायक	01	—	01
59	रेडियोग्राफर	01	01	—
60	डार्क रूम सहायक	01	....	01

61	सहायक	01	01	.
62	वैज्ञानिक सहायक	02	01	01
63	लैव सहायक	02	01	01
64	लैव सहायक अनुसंधान	02	.	02
65	चालक	19	19	.
66	चतुर्थ श्रेणी	1083	591	492
67	स्वच्छक	167	162	05

## बजट

चालू वित्त वर्ष के लिए विभाग का कुल वार्षिक बजट मु0 95,44,27,000 रुपये था, जिसे सभी अधिनस्थ कार्यालयों के लिये विद्यमान अनुदेशों के अनुसार वितरित किया गया है।

आम जनता/नागरिकों को उनकी सुविधा के लिए उबलबुध कराई जाने वाली सूचना, चाहे वह कार्यप्रणाली के बारे में हो अथवा लाईवरेरी की समय सारणी आदि के बारे में हो का विवरण:

जब कोई नई योजना चलाई जाती है, नियमों/विनियमों में संशोधन या कोई नई नीति बनाई जाती है, उसका प्रचार शैक्षिक विज्ञापन के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक नागरिक का किसी प्रकार की सूचना लेने के लिए कार्यालय समयानुसार प्रातः 10 से 5 बजे तक स्वागत किया जाता है।

आयुर्वेदिक फार्मेशियां में जहां अभूतपूर्व विकास हुआ है वहीं इन फार्मेशियों में दवाईयों के निर्माण कार्य में भी बृद्धि हुई है। सरकार द्वारा विभिन्न स्थानों व हर्बल गार्डन में जलवायु पर आधारित औषध पौधों को उगाने एवं जडी-बुटियां एकत्र करने के बारे में विशेष अभियान चलाये जा रहे हैं। यही नहीं बल्कि भारत सरकार द्वारा राजकीय राजीव गांधी महाविद्यालय को मॉडल आयुर्वेद महाविद्यालय घोषित किया है।

प्रदेश में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को मिलने वाली विशेष सुविधाओं का विवरण :-

- 1) प्रदेश के सभी क्षेत्रों में अथवा जहां स्वास्थ्य विभाग का कोई संस्थान नहीं है में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना।
- 2) पुनर्भिविन्यास कार्याक्रमों के माध्यम से आयुष चिकित्सा अधिकारीयों तथा पैरा मैडिकल स्टाफ को समय-समय पर प्रशिक्षण दिलाना।
- 3) जलवायु के आधार पर आधारित हर्बल गार्डन स्थापित करना।

- 4) विभागीय फार्मेशियों को विकसित करना ।
- 5) राज्य में किसानों तथा आम जनता के लिए किसान प्रशिक्षण शिवरों तथा प्रदर्शनियों का आयोजन करना ताकि लोगों को प्रदेश में पाये जाने वाले औषधिय पौधों की पहचान, संरक्षण, सम्बर्धन, कृषि-करण तथा प्रयोग के महत्व बारे जागरुकता लाना ।
- 6) राजकीय राजीव गांधी आयु महाविद्यालय को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के रूप में विकसित करना ।
- 7) प्रदेश को अनिमिया मुक्त करने में सहयोग देना ।
- 8) आयुर्वेदिक संस्थानों में पंचकर्म एवम क्षार सूत्र चिकित्सा को लागू करना ।
- 9) राज्य में आयुर्वेद के माध्यम से वृद्ध चिकित्सा देखभाल योजना लागू करना ।

11. राजकीय आयुर्वेदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पपरोला जिला कांगडा हि० प्र० ।

### परिचय

प्रदेश में राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय पपरोला जिला कांगडा में चलाया जा रहा है । यह महाविद्यालय छोटी-2 पहाडियों पर ऐसे क्षेत्र में स्थापित है जो प्राकृतिक सौंदर्य व महत्वपूर्ण जडी-बुटियों से परिपूर्ण है । यह महाविद्यालय हि० प्र० विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है तथा यहां छात्रों की प्रवेश क्षमता 50 छात्र प्रतिवर्ष है । महाविद्यालय में 6 विशेषज्ञ विभाग है जो काया चिकित्सा, शल्य शालक्य, प्रसूति तन्त्र, समहिता सिद्धान्त व रस शास्त्र है । वर्ष 1998 से यहां स्नातकोत्तर कक्षाएं काया चिकित्सा, शल्य तथा शालाक्य विषयों में आरम्भ की गई । वर्ष 2004-05 से प्रसूति तन्त्र, समहिता, सिद्धान्त और रस शास्त्र विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा आरम्भ की गई है । स्नातक/स्नातकोत्तर कोर्स के लिए 24 सीटें है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:-

#### स्नातक

1) बी,ए,एम ,एस एम,डी, /एम.एस.	50
1 काया चिकित्सा	06

2	शल्य	04
3	शलाक्य	04
4	प्रसूति तन्त्र	03
5	समहिता सिद्धान्त	04
6	रस शास्त्र	03

उपरोक्त के अतिरिक्त पांच और विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएँ आरम्भ करने हेतु प्रस्तावना भारत सरकार के अनुमोदनार्थ भेजी गई है जिसमें अनुमति/अनुमोदन अपेक्षित है ।

महाविद्यालयों में चलाये जा रहे 14 विभागों का विवरणः

1	काया चिकित्सा विभाग	स्नातकोत्तर
2	शल्यतन्त्र विभाग	यथोपरि
3	शालाक्य तन्त्र विभाग	“
4	समहिता सिद्धान्त और संस्कृत विभाग	“
5	प्रसूति तन्त्र स्त्री रोग विभाग	“
6	रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	“
7	कुमार भृत्य विभाग	
8	द्रव्य गुण विभाग	
9	शरीर रचनाविभाग	
10	रोग निदान विभाग	
11	स्वस्थवृत्त विभाग	
12	अग्ध तन्त्र एवंम विधि	
13	पंचकर्मा विभाग	

2008-09 के शैक्षणिक परिणाम

कक्षा का नाम उत्तीर्ण प्रतिशतता

बी.ए.एम.एस

1.	बी.ए.एम.एस, प्रथम वर्ष	63 प्रतिशत
2.	बी.ए.एम.एस, द्वितीय वर्ष	76 प्रतिशत
3.	बी.ए.एम.एस, तृतीय वर्ष	87 प्रतिशत

स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.)

1.	एम.डी.एम.एस.(आयु0) प्रथम वर्ष	100 प्रतिशत
2.	एम.डी.एम.एस.(आयु0) अंतिम वर्ष	100 प्रतिशत

### शैक्षणिक भ्रमण

बी.ए.एम.एस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2008-09 में शैक्षणिक भ्रमण/प्रवास इस प्रकार से आपेक्षित किये गये: 1) तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 10-11-08 से 24-11-08 (पंचकर्मा भ्रमण/प्रवास केरल) 11) द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के लिए 22-11-08 से 6-12-08 (रस शास्त्र भ्रमण/प्रवास जयपुर) 11) प्रथम वर्ष के लिए 25-3-08 से 5-4-08 द्रव्य गुण प्रवास (भ्रमण जयपुर)

### महाविद्यालय में आर्थिक सांस्कृतिक तथा खेल परिलब्धियाँ

महाविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम दिनांक 22-1-09 से 24-1-09 तक तथा खेलों का आयोजन दिनांक 19-1-09 से 21-1-09 व 26-2-09 से 28-2-09 तक किया गया ।

### वार्षिक समारोह

महाविद्यालय में वार्षिक समारोह दिनांक 5-1-09 से 10-1-09 तक आयोजित किया गया जिसमें शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेलों में अब्बल रहे विद्यार्थियों को पारितोषिक भेंट किए गये ।

वर्ष 2008-09 के दौरान महाविद्यालय में प्राप्तियां

क)

प्राप्ति	फीस	निधि	कुल
महाविद्यालय	26,76,698	1389325	4066023
आवास	5,34,936	781960	1316896
कुल	3211634	2171285	5382919

ख) प्रशासनिक:—

1) स्थापना

i) नियुक्तियां पदोन्नतियां: वर्ष 2008-09 के दौरान 3 अतिरिक्त लैक्चरर,, 3 रीडर,, 2 वरिष्ठ लैक्चर, 5 लैक्चरर और 8 आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों को प्राध्यापक, रीडर, वरिष्ठ लैक्चरर/व्यख्याता तथा लेक्चरर के पद पर पदोन्नत किया गया इसके अतिरिक्त 4 दैनिक भोगी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नियमित किए गए तथा एक पार्ट टाइम स्वच्छक को दैनिक भोगी स्वच्छक के पद पर पदोन्नत किया गया ।

PIMS:— इस योजना के तहत कर्मचारियों व अधिकारियों की ई. सेवा पुस्तिकाओं का कम्प्यूटरिकरण किया जा रहा है तथा 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है ।

RTI: इस एक्ट के अन्तर्गत 15 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे जिनके उत्तर निर्धारित समय के भीतर दिये गये तथा इस मद में 270 रूपये की फीस प्राप्त की गई ।

निर्माण कार्यों का विवरण

1) माडल महाविद्यालय अस्पताल

क) महाविद्यालय के अतिरिक्त 100 बिस्तरीय अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इस भवन का माननीय मुख्य मन्त्री द्वारा 2 अक्तुबर 2008 को लोकार्पण किया जा चुका है । भवन के निर्माण पर कुल लागत 403.00 लाख रूप्ये आई जिसमें से 140.00 लाख भारत सरकार द्वारा राज्य माडल कालेज स्कीम के तहत उपलब्ध करवाये गये ।

ख) फार्मसी के अतिरिक्त भवन का निर्माण

आयुर्वेदिक फार्मसी पपरोला के अतिरिक्त भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा भवन का माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 2 अक्तुबर 2008 को लोकार्पण किया गया है । निर्माण पर कुल लागत 80.34 लाख रूपये आई जिसमें से 77.79 लाख रूप्ये का

भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय प्रायोजित योजना के मद विद्यमान फार्मेशियों का विकास के तहत उपलब्ध करवाये गये ।

ग) अतिरिक्त छात्रावास भवन (लडकियों के लिए) का निर्माण

भारत सरकार से प्राप्त 117-00 लाख रुपये की राशि से निर्मित किये जाने वाले लडकियों के छात्रावास भवन की नीव माननीय मुख्यमन्त्री द्वारा 2 अक्टुबर 2008 को रखी जा चुकी है । इस छात्रावास के भवन के लिए भूमि अर्जित करने सम्बन्धि मामला राजस्व विभाग के पास लम्बित पडा है ।

11) फार्मेशी

महाविद्यालय की फार्मेशी को अपग्रेड कर उसे नव निर्मित ब्लाक में स्थानान्तरित किया गया है तथा वहां दवाईयों के निर्माण का कार्य भी आरम्भ किया गया जा चुका है ।

इस फार्मेशी द्वारा निर्मित 33 विभिन्न औषधियों पर बी0ए0एम0एस छात्रों द्वारा प्रयोग किये गये तथा 13 एमडी/एमएस स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा खोज की गई । महाविद्यालय में प्रयोगात्मक कार्य के अतिरिक्त फार्मेशी(पपरोला) में निदेशालय द्वारा रखे गये 26 औषधियों को बनाने का लक्ष्य ही पूर्ण नहीं किया गया बल्कि इस वर्ष 1900 किलो दवाईयां निर्मित भी की गई ।

हर्वल गार्डन

1.) जडी बूटियां आयुर्वेद का मुख्य अंग है तथा इन जडी बूटियों का प्रत्येक छात्र /विद्यार्थी को ज्ञान होना आवश्यक है । इस उद्देश्य से संस्था द्वारा सगूर पंचायत के अन्तर्गत गांव नाग मोड मझेरणा जिला कांगडा में हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए मू0 4,94,372 रुपये का अतिरिक्त धन उपलब्ध कराने हेतु मामला निदेशालय को भेजा है ।

11) महाविद्यालय परिसर मे एक लघु हर्वल गार्डन भी बनाया गया है. जिसमे लगभग 150 औषधीय पौधे विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक कार्य के लिए उगाये गये है ।

## पुस्तकालय

महाविद्यालय में कार्यरत पुस्तकालय में 8100 पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा 12 राष्ट्रीय पत्रकारिता से सम्बन्धित पुस्तकें शीघ्र ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। अनुसूचित जाति व जनजातीय छात्रों के लिए अलग पुस्तक भण्डार बनाया गया है। पुस्तकालय का स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से वहां कुछ और पुस्तकें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जिसके लिए भारत सरकार से मु0 10.00 लाख की वित्तीय सहायता प्राप्त हो चुकी है तथा स्थानीय कय समिति का गठन भी किया जा चुका है। लाईब्रेरी का कम्प्यूटीकरण तथा इंटरनेट से जोड़ने की योजना शीघ्र ही बनाई जा रही है।

### सहायता/अनुदान

क्रमांक	स्कीम का नाम	राशि
1.	राज्य माडल महाविद्यालय स्कीम/योजना के तहत:	95.00 लाख
2.	संशोधित राज्य माडल महाविद्यालय स्कीम के तहत:	117.69 लाख
3.	आर. ओ.टी.पी. व सीएम ई	30.50 लाख
4.	स्नातकोत्तर चिकित्सक शिक्षा	84.07 लाख

अ) राज्य माडल महाविद्यालय (विद्यमान/पुरानी कय स्कीम)

इस स्कीम के तहत मु0 1352.00 लाख की लम्बित राशि भारत सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। इसी योजना के तहत 95.00 लाख वर्ष 2008-09 में इस महाविद्यालय के लिए और जारी किये हैं जिसमें से 75 लाख औजार, 10 लाख निर्माण के लिए तथा 10 लाख पुस्तकें खरीदने के लिए हैं। इस कार्य के लिए निविदाएं लेने का कार्य प्रगति पर है।

(ब) इसी स्कीम के अन्तर्गत 117.69 लाख रुपये लडकियों के छात्रावास के लिए प्राप्त हुए हैं, जिसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

अन्य:

क) माननीय मुख्य मन्त्री महोदय द्वारा दिनांक 2-10-08 से महाविद्यालय परिसर से अनिमिया मुक्त अभियान शुभारम्भ किया गया।

ख) महाविद्यालय को भारत सरकार के सी.सी.आर.ए. एस. विभाग द्वारा अनिमिया मुक्त का माडल केन्द्र घोषित किया गया है ।

ग) महाविद्यालय में भारतीय चिकित्सा पद्धति के निश्चेतन विदों का 3 व 4 अक्टुबर 2008 को एक समायोजन आयोजित किया था. जिसका उदघाटन आयुष विभाग भारत सरकार मे कार्यरत सलाहकार द्वारा किया गया । इस सम्मेलन मे 150 प्रतिनिधियों व विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया गया ।

घ) इस वर्ष प्राध्यापको के लिए पुनरभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रमो के अन्तर्गत कायाचिकित्सा. रस शास्त्र व शल्य में तथा सी.एम.ई प्रयोगशालाओं का आयु0 चिकित्सा अधिकारियों के लिए आयोजन किया गया. जिसके लिए 30.50 लाख की वित्तिय सहायता प्राप्त हुई थी ।

महाविद्यालय मे वर्ष 2008-09 के लिए बजट प्रावधान

बजट	गैर योजना	योजना	सून	कुल
आंवटित	3,06,48,209	....	.....	3,06,48,209
खर्चा	4,08,99,402	.....	.....	4,08,99,402

(5) राजकीय राजीव गांधी महाविद्यालय पपरोला  
जिला कांगडा

महाविद्यालय के साथ सम्बद्ध अस्पताल का दर्जा वढाकर 200 विस्तरीय कर दिया गया है तथा इसे नये ब्लाक में जहां पर्याप्त स्थान व आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है में स्थानान्तरित कर दिया गया है। अस्पताल जहां स्थानीय जनता को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रहा है वहीं बी.ए.एम.एस तथा स्नातकोतर विद्यार्थियों को क्लीनीकल अभ्यास भी करवा रहा है । अस्पताल में सभी विभाग जैसे मैडिसन शल्य, कान,नाक,व गला, नेत्र गायनोकोलोजी तथा शिशु विभाग आदि चलाये जा रहे है । यहां पंचकर्मा व क्षार सूत्र सम्बंधि सुविधाएं उपलब्ध है । इस अस्पताल में प्रयोगशाला भी कार्यरत है जहां पर सभी प्रकार के परीक्षण/टैस्ट किये जाते है। अस्पताल पूर्णतयः भारतीय चिकित्सा पद्धति से रोगों का निदान करने में मुख्य भूमिका अदा कर रहा है ।

अस्पताल में निम्न चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं:-

- ओ. पी. डी
- मेजर ओ.टी.
- माईनर ओ.टी.
- लेवर रुम
- बायो कैमिस्ट्री व हीमोटोलोजिकल लैब
- एक्सरे/यू.एस.जी./ई.सी.जी.
- डेन्टल यूनिट
- इम्यूनार्डिजेशन
- फिजियोथिरेपी
- पंचकर्मा
- स्पैशल बार्ड

क्लीनिकल विभाग:-

अस्पताल में निम्न विभाग कार्यरत हैं जो इस प्रकार से हैं:- कायाचिकित्सा, शल्य, शालक्य, बाल रोग, प्रसूति तन्त्र, पंचकर्मा, सिद्धान्तिक चिकित्सा, रोग निदान, स्वस्थ वृत्त तथा आपातकालीन विभाग ।

विस्तरों की व्यवस्था	200
रोगी रोग विवरण	
1. बहिरंग	47036
2. अतरंग	19588
3. प्रसूति	123
4. गायनी से सम्बन्धित आप्रेशन	56
5 अल्प आप्रेशन	1243
6 लैव टैस्ट (1) नैत्यिक टैस्ट	19872
(11) वायो कैमिस्ट्री	10523

एक्सरे	4219
(1) यू.एस.जी0	1427
(11) ई0 सी0 जी0	1082

वर्ष 2008-09 हेतु अस्पताल के लिए/वार्षिक वजट

बजट	गैर योजना	योजना	कुल
आंबटित	68,53,000	38,17,000	1,06,70,00/-

## औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर

आयुष विभाग के अन्तर्गत कार्यरत औषध परीक्षण प्रयोगशाला एक मान्यता प्राप्त संविधिक निकाय है। ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट का अध्याय-4; 1984 अनन्य/एक मात्र रूप से आयुर्वेद सिद्ध एवं यूनानी औषधियों पर नियंत्रण करता है। ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट के प्रावधान की धाराओं को व्यापक रूप में लाने हेतु विभिन्न संविधिक निकायों का गठन किया गया है। नियम 160; 1984 के अन्तर्गत आयुर्वेद सिद्ध एवं यूनानी औषधियों की प्रयोगशालाओं की स्थापना की व्यवस्था हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी एक्ट की धारा 33 मूठ के अन्तर्गत निर्यात की जाने वाली आयुर्वेद सिद्ध एवं यूनानी औषधियों में विद्यमान भारी धातुओं की मात्रा की जांच को अनिवार्य बनाया गया है।

## औषध परीक्षण प्रयोगशाला का वास्तविक उद्देश्य

जोगिन्द्रनगर स्थित औषध परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना आयुर्वेद विभाग हिमाचल प्रदेश के अन्तर्गत निम्न वास्तविक उद्देश्य के साथ की गई है:-

1. ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट के अनुसार भारतीय चिकित्सा पद्धति की एकल एवं यौगिक औषधियों की जांच एवं उनका परीक्षण करना।
2. राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेशियों से प्राप्त होने वाले एकल एवं निर्मित औषधियों के नमूनों की जांच एवं परीक्षण।
3. प्रदेश में कार्यरत निजी फार्मेशियों से प्राप्त आयुर्वेदिक औषधियों के नमूनों की जांच एवं परीक्षण।
4. विभिन्न प्रायोजित अभिकरणों/माध्यमों से आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता में नियंत्रण सम्बन्धी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का अधिग्रहण करना।

## औषध परीक्षण प्रयोगशाला का वर्तमान प्रशासनिक ढांचा

निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश के पत्र संख्या. 3-370/70-आर्यु0 दिनों 14.02.1991 के अन्तर्गत फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट को प्रयोगशाला का कार्य वाहक प्रभारी नियुक्त किया गया और उन्हें निदेशक, तकनीकी के दिशा निर्देशन में कार्य का संचालन करके समय-2 पर सूचना एवं विवरण उच्च अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिए गये थे।

वर्ष 2002 में वितायुक्त एवं सचिव ;आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश के पत्र संख्या.आर्यु0-ख; 2द्व-2/2002 दिनांक 16.01.2002 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए राजकीय विशलेषक ; आयुर्वेदिक औषध की नियुक्ति की गई ।

हिमाचल प्रदेश सरकार के पत्र संख्या. एच.एफ.डब्ल्यू-बी;1द्व 32/31 दिनांक 7. 8.1982 के अन्तर्गत प्रयोगशाला के लिए निम्न पदों का सृजन किया गया :-

<u>क.सं.</u>	<u>श्रेणी</u>	<u>वेतनमान</u>
		<b>; पूर्व-संशोधित</b>
1.	वैज्ञानिक अधिकारी	940-1850
1		
2.	वैज्ञानिक सहायक	800-1400
2		
3.	सहायक	570-1080
1		
4.	प्रयोगशाला सहायक	400-600
2		

वर्तमान में कार्यरत कर्मियों एवं विभिन्न अनुभागों में बांछित आवश्यक पदों को **अनुबन्ध- I** में दर्शाया गया है ।

आयुष विभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत पदों के लिए बांछित योग्यताओं को निर्धारित किया गया है जिनका विवरण **अनुबन्ध-II एवं III** में है।

### परीक्षण संबन्धी कार्य संचालन का विवरण

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आयुष विभाग द्वारा औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर को एक ऐसी आयुर्वेद संस्था के रूप में चिन्हित किया गया है जो कि आयुर्वेद सिद्ध एवं युनानी औषधियों के परीक्षण कार्य को करने में सक्षम है और इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए औषध परीक्षण प्रयोगशाला की संरचना को और सुदृढीकरण करने हेतु एक करोड़ रुपये की सहायता राशी प्रदान की गई है। औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर आयुर्वेदिक फार्माकोपिया आफ इन्डिया जो कि औषधियों के मानकों का वैधानिक दस्तावेज है में दर्शाये गये संलेखों के अनुसार परीक्षण कार्य कर रहा है। इस प्रयोगशाला द्वारा 5 आयुर्वेदिक औषधियों पर किये गये कार्य के निबन्ध

।च्च के पांचवे खण्ड में प्रकाशित किये गये है।इसके अतिरिक्त 6 आयुर्वेदिक औषधियों पर कार्य पूरा करके अन्तिम रिपोर्ट भारत सरकार को भेज दी गई है। औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर ने वर्ष 2008 में 463 आयुर्वेदिक जांच नमूनों का परीक्षण कार्य किया जिससे 1.41 लाख रु. का राजस्व प्राप्त हुआ।

### भारत सरकार के दिशा निर्देशोंनुसार प्रस्तावित परीक्षण :-

ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट 1940 ; 23 आफ 1940द्ध की धारा 33 म्ठ के अन्तर्गत निर्यात किये जाने वाली आयुर्वेद सिद्ध एवं युनानी औषधियों में भारी खनिजों की मात्रा की जांच को अनिवार्य बनाया गया है। जिसके लिए आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता है। औषधियों की विषाकत दर का निर्धारण करने के लिए औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर के पांचो अनुभागों के सुदृढीकरण के लिए उपकरणों एवं श्रम शक्ति की आवश्यकता है जिसके लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता है ताकि प्रयोगशाला का कार्य सुचारु रूप से चल सके।

### उपलब्धियां :-

आयुर्वेद विभाग हिमाचल प्रदेश के दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर ने औषधियों के परीक्षण कार्य में विभाग की अपेक्षाओं के अनुरूप सराहनीय कार्य किया है। औषध परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा भारत सरकार से तीन केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं का अधिग्रहण किया है।

### औषध परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा पिछले पांच वर्ष में किये गये औषधियों के जांच नमूनों का विवरण:-

फार्मोकोपिया आफ इन्डिया जो कि ओषधियों के मानको का वैधानिक दस्तावेज है मे दर्शाये गये संलेखों के अनुसार परीक्षण कार्य कर रहा है। विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले जांच नमूनों की परीक्षण रिपोर्ट राजकीय विषलेषक द्वारा ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट 1940 के नियमों के अन्तर्गत फार्म-50,त्मणि160.क्ण्थद्ध पर हस्ताक्षर करके दी जाती है। औषध परीक्षण कार्य से सम्बन्धित लक्ष्य का वार्षिक निर्धारण किया जाता है। वर्ष 2007-08 में औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर ने 620 जांच नमूनों का परीक्षण कार्य किया और देश में कार्यरत आयुर्वेदिक प्रयोगशालाओं मे से इस प्रयोगशाला को भारत सरकार द्वारा द्वितीय स्थान पर दर्शाया गया। पिछले पांच वर्ष में औषध परीक्षण कार्य का विवरण निम्न है:-

	एकल औषध	यौगिक औषध	
--	---------	-----------	--

बर्ष	राजकीय फार्मेसिया	निजी फार्मेसिया	राजकीय फार्मेसिया	निजी फार्मेसिया	औषध नियंत्रक	कुल	राजस्व प्राप्ति लाखों में
2003-04	12	2	89	137	18	240	0,695
2004-05	47	24	24	139	3	234	0,815
2005-06	38	73	80	336	6	527	2,045
2006-07	34	5	96	269	10	404	1,37
2007-08	87	28	91	400	14	620	2,14
2008-09	58	23	113	252	10	463	1,41

### केन्द्रीय प्रायोजित योजनाए

वर्ष 1998 में भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा एकल एवं यौगिक औषधियों के भैषज्य मानक निर्धारण सम्बन्धी कार्य हेतु देश में 32 वैज्ञानिक संस्थाओं एवं प्रयोगशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई जिसमें औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर को भी 15 लाख रु. ;1998-03इस कार्य को पूरा करने हेतु दिये गये। औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर ने 31 औषधियों पर कार्य किया और उनकी रिपोर्ट समय-2 पर भारत सरकार को भेजी गई। प्रयोगशाला द्वारा किये गये कार्य में से पांच एकल औषधियों के कार्य को स्वीकार करके उनके निबधों को भारत सरकार द्वारा प्रकाशित ।च के पांचवे खण्ड जो कि जनवरी 2006 में प्रकाशित हुआ में सम्मिलित किया गया है। जिन औषधियों पर प्रयोगशाला ने औषध मानक निर्धारण कार्य किया है। उनका विवरण निम्न है:-

क्रमांक	औषध द्रव्य जिन पर मानक निर्धारण कार्य किया गया
1	सर्पगन्धा ;जडद्ध
2	केबुक ;कन्द द्ध
3	आभा ;छालद्ध
4	पुतिकरंज ;छालद्ध
5	क्षीर विदारी; कन्दद्ध
6	पुष्कर ;जडद्ध
7	जरिष्क ;फलद्ध

8	स्वेती ;फूलद्ध
9	धावा ;छालद्ध
10	धावा ;फलद्ध
11	मेदा ;कन्दद्ध
12	जीवक;कन्दद्ध
13	सेब; फल गुद्वाद्ध

क्रमांक	; यूनानी योग द्ध
1	हब्बे-निशात
2	हब्बे मुसली दिमागी
3	हब्बे मुन्तिन अकवर
4	हब्बे अफतीमून
5	हब्बे मुमसिके
6	हब्बे जडवार
7	हब्बे जवाहिर
8	हब्बे मुसकीन नबाज

क्रमांक	; आयुर्वेदिक योग द्ध
1	पिपल्यादिआसव
2	द्राक्षारिष्ट
3	पुनर्नवासव
4	पार्यारिष्ट
5	जीरकारिष्ट
6	बलारिष्ट
7	दन्तयारिष्ट
8	देवदारवारिष्ट
9	दशमूलारिष्ट
10	चन्दनाश्व

### परीक्षण प्रयोगशाला का सुदृढीकरण

औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर जिसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा औषध परीक्षण हेतु एक सक्षम

संस्थान के रूप में चिन्हित किया हे की वर्तमान प्रयोगशाला संरचना को सुदृढ करने हेतू एक करोड रु. विभिन्न मदों के अन्तर्गत दिया गया है:-

<u>क.सं.</u> <u>राशि</u>	<u>मद</u>	<u>प्रदत्त</u>
1.	पुराने भवन का जीर्णोद्धार	15.00 लाख
2.	नये भवन निर्माण हेतू लाख	19.55
3.	उपकरण एवं अन्य लाख	56.24
4.	श्रम शक्ति लाख	9.45

**कुल :- 100.00 लाख**

प्रयोगशाला के सुदृढीकरण हेतू किये गये खर्च का विवरण अनुबन्ध-5 पर दर्शाया गया है। औषध परीक्षण प्रयोगशाला के लिए केन्द्र सरकार से प्राप्त एक करोड रु. की राशि अप्रयाप्त है। ड्रग एण्ड कोस्मैटिक एक्ट 1940 ; 23 आफ 1940 के धारा 33 मूठ के अन्तर्गत निर्यात की जाने वाली औषधियों में भारी खनिजों की मात्रा एवं जिवाणुओं की मौजदगी सीमा ण्भूट के दिशा निर्देशों के अनुसार निर्धारित की गई है। जिसके अनुरूप प्रयोगशाला की वर्तमान पाचों अनुभागों को और सुदृढ करने की आवश्यकता है ताकि इन अनुभागों में कार्य को सुचारु रूप से चलाने हेतू बांछित उपकरण एवं आवश्यक श्रम शक्ति उपलब्ध हो सके। नई प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरणों एवं थपगजनतम लगाने हेतू और आर्थिक वित्तीय सहायक की आवश्यकता है। इस संदर्भ में 125.84 लाख रुपये का प्रस्ताव निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश के माध्यम से भारत सरकार को भेजा गया है। जिसका विवरण निम्न है:-

**मद : गुणवत्ता नियंत्रण :- औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर का सुदृढीकरण**

<u>क.स.</u> <u>राशि</u>	<u>मद</u>	<u>बांछित</u>
1.	<u>निर्माण एवम फिक्सचरज</u> क. नये ब्लाक का निर्माण लम्बित कार्यो	
6.50	को पूरा करना फिक्सचर एवम स्थल विकास	
6.00	ख. अनुसंधान एवम विकास कार्य के अन्तर्गत	

## हाल का निर्माण

ग. प्रयोगशाला के लिए फर्नीचर इत्यादि

3.20

2.

### श्रम शक्ति

क. दो वर्ष के लिए

11.

40

ख. प्रशिक्षण एवम कार्यशाला

1.

00

3.

### उपकरण इत्यादि

क. रसायन प्रयोगशाला

71.22

ख. अनुसंधान एवम विकास प्रयोगशाला

9.

29

ग. फार्माकोग्नोसी एवम माइक्रो बायोलाजी

9.

24

घ. प्रलेखन/पुस्तकों एवम पत्रिका इत्यादि

7.99

...

कुल:—

125.84लाख

औषध स्तर विकास निर्धारण प्रक्रिया ;एस.ओ.पी.द्व  
एस.ओ.पी योजना के अन्तर्गत आयुर्वेद औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर  
के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2003-04 ने 8 लाख रु. की वित्तीय राशि  
उपलब्ध करवाई गई । और 13 आयुर्वेदिक औषधियों के स्तर निर्धारण का कार्य  
दिया गया उक्त परियोजना के अन्तर्गत किये गये लक्ष्यों का औषध निर्माण कार्य  
राजकीय आयुर्वेदिक फार्मसी जोगिन्द्रनगर द्वारा पुरा करने के उपरान्त स्तर  
मानक निर्धारण हेतु औषध परीक्षण प्रयोगशाला जोगिन्द्रनगर को भेजा जाना था  
इस परियोजना के अन्तर्गत व्यय का विवरण अनुबन्ध-6 में दर्शाया गया है। एस.  
ओ.पी परियोजना के अन्तर्गत आबंटित औषधियों की सूची :-

क्रमांक: योग

संदर्भ

1. त्रिफला चूर्ण
2. त्रिकुट
3. चतुर्जात
4. सितोपलादिचूर्ण

1. आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-।
2. आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-।
3. आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-।
4. आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-।

5	सेशमनी बटी	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-2
6	कुटजाघन वटी	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-2
7	गंधकादया मलहर	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-2
8	पारदादिलेप	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-2
9	दशांगलेप	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-1
10	कल्कचूर्ण लेप	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-1
11	अवलगुजादि लेप	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-1
12	शोधधन लेप	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-1
13	सर्सापादि	आयु.फामुल्यरी आफ इन्डिया भाग-1

Analytical work of the following drugs with different batches has been worked out:

1.	Triphala churna Batch	1,2,3
2	Kutajghan vati Batch	12,3
3	Samsamani Vati Batch	1,2,3
4	Trikatu churna Batch	1,2,3
5	Caturjata churna Batch	1,2,3
6	Sitopladi churna Batch	1,2,3

कम संख्या 1-6 तक की औषधियों के तीनों बैच का स्तर मानक निर्धारण कार्य पूरा करने के उपरान्त अन्तिम रिपोर्ट भारत को भेजी जा चुकी है । केन्द्रीय आयुर्वेद सिद्ध एवं अनुसंधान के पत्र संख्या. 5&5@CC/RAS-2006/Tech/APC/Hqrs दिनांक 24 मार्च 2009 के अनुसार चल रहे लम्बित कार्य को पूरा करने के आदेश दिये गये थे । तदानुसार कार्य पूरा होने पर करके रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी हैं ।

राज्य सरकार द्वारा अनुश्रावण:-

विभाग द्वारा औषध परीक्षण कार्य के निर्धारित लक्ष्यों के कार्य सम्पादन की समय-2 पर समीक्षा करी जाती है । इस प्रयोगशाला द्वारा परीक्षण सम्बन्धी विवरण रिपोर्ट विभाग को निरन्तर भेजी जाती है। निदेशालय स्तर पर त्रैमासिक एवं वार्षिक बैठकों द्वारा सम्पादित कार्यों की समीक्षा करने के उपरान्त आगामी कार्य हेतु समय-2 पर दिशा निर्देश दिये जाते हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रयोगशाला की गतिविधियों की समीक्षा:-

भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा सांविधिक गठित कमेटी द्वारा प्रयोगशाला के क्रिया कलापों का समय-2 पर निरीक्षण किया जाता है। औषध परीक्षण से प्राप्त विभिन्न मदों के अन्तर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता के व्यय का विवरण अनुभाग अधिकारी महालेखाकार द्वारा सत्यापित कर विभाग के माध्यम से आयुष विभाग नई दिल्ली को प्रेषित किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत किये जा रहे स्तर निर्धारण कार्य की प्रगति का विवरण भारत सरकार की भेषज्य मुल्यांकन समिति को भेजा जाता है। उक्त समिति की स्वीकृति के उपरान्त ही उपरोक्त औषधियों के डवदवीजेची को |च में प्रकाशित किया जाता है।

### 2010 के लिए निर्धारित लक्ष्य:-

बर्ष 2010 में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाले सभी जांच नमूनों का परीक्षण कार्य पुरा करके रिपोर्ट विभाग को भेजी जायेगी।

### EXISTING INFRASTRUCTURE:

#### a) **Building :-**

##### I) **Old Block :**

Sr.No.	Name of the Lab./ Section	Area in Sq. Ft.
<b>Pharmacognosy Section</b>		
1.	Pharmacognosy Laboratory	700
	Office	300
<b>Chemistry Section</b>		
2.	Chemistry Laboratory	700
	Office	300
3	<b>Instrumental section</b>	700
	Store	300
4	Verandah	656

:

#### **Total Area:**

**3656 Sq. Ft.(Say 4,000 Sq. Ft.)**

##### II) **New Block :**

1.	Chemistry Lab.	6.0mx7.68m
2.	Instrumental store	6.04 mx3.50m
3.	ISM&H Lab	6.0mx7.68m
4.	R & D Lab.	6.0mx7.68m
5.	Drug Store	2.70mx4.75m

6	Analyst Office 4.77mx3.95m		
7.	Adm. Office	6.0x3.5m	
8.	Chowkidar Room	2.40mx2.70m	
	Toilet	1mx1.68m	
	Kitchen		
	1.28mx1.68m		
9.	Toilets: Gents		
	1.50x3.62m		
	Ladies		
	1.50mx2.75m		
10.	Varanda: Ground floor	1.55	m
	wide		
	Fist floor	2.45 m wide	
<b>Total Area :</b>		<b>2370x2</b>	
<b>Sq. Ft. (Double Storey)</b>			

**Detail of the Equipments purchased from the central assistance**

<u>Sr.No</u>	<u>Name of instrument</u>	<u>Qty</u>
	<u>Date of receipt</u>	
1.	Electronic Balance Received 05	One unit
2.	Sieve Shaker Received 04	One
3.	Refractometer (digital) Received 03	One
4.	Dissolution rate test apparatus Received 05	One
5.	Advanced Research Microscope Received 03	One
6.	Ultra purification water system Received 06	One
7.	Muffle furnace. Received 06	One
8.	HPTLC System Received 06	One unit

9. A.C (1.5 Ton) for instrumental lab. Two  
Received 06

**Instruments being procured:**

- |     |  |     |
|-----|--|-----|
| 1.  | Tablet Disintegration System (digital) | One |
| 2.  | Friability test unit (Digital)         | One |
| 3.  | Double beam UV Spectrophotometer       | One |
| 4.  | Rotary evaporator                      | One |
| 5.  | Moisture Analyzer                      | One |
| 6.  | Electromagnetic sieve shaker           | One |
| 7.  | Rotospin Test Tube Rotator             | One |
| 8.  | Salt Tester                            | One |
| 9.  | Hot Air Oven                           | One |
| 10. | Gas Chromatograph                      | One |
| 11. | BOD incubator (NSW)                    | One |

**Following section are existing in DTL :-**

- |   |                           |   |
|---|---------------------------|---|
| 1 | Pharmacognosy/Botany      |   |
|   | Pharmacognosy/Botany      |   |
| 2 | Chemistry                 |   |
|   | Chemistry                 |   |
| 3 | Ayush                     | X |
| 4 | Microbiology & Toxicology | X |
| 5 | Instrumentation           |   |
|   | Instruementation          |   |
| 6 | Office                    |   |
| X |                           |   |

**Position of the Regular staff recruited in the Lab.**

Sr. No.	Name	No of post	Exist ing	Vac ant	Requi red new creati on	Rema rks
1	Scientific Officer	1	-	1		
	Assistant Botanist	1	1	--	1	Depu ted from Herb

						al garde n for three days in a week.
	Lab Assistant	- -	--	--	1	
	Lab attendant	1	1	---	1	Depu ted from Herb al Gard en
<b>2</b>	<b>Chemistry</b>					
	Scientific Officer	- -	---	---	1	
	Scientific Assistant	2	1	1		
	Pharmaceutical chemist	1	---	1		
	Lab Assistant (Res)	1	1	---		
	Lab Attendant	1	1	---		
<b>3</b>	<b>Microbiology/Toxicology</b>					
	Scientific Officer	-	-	-	1	
	Lab Assistant	-	-	-	1	
	Lab attendant	-	-	-	1	
<b>4</b>	<b>Instrumentation</b>					
	Scientific Officer	-	-	-	1	
	Lab Assistant	-	-	-	1	
	Lab attendant	-	-	-	1	
<b>5</b>	<b>R &amp; D /ISM</b>					
	Scientific Officer	-	-	-	1	

	Lab Assistant	-	-	-	1	
	Lab attendant	-	-	-	1	
6	<b>Office</b>					
	Supdt	-	-	-	1	
	Data operator	-	-	-	1	
	Class IV	1	1	1	2	
	Daily wages	1	1	-	-	
	Sweeper	1	-	1	-	

**Position of the staff recruited under the centrally sponsored schemes.**

**1) Strengthening of DTL:**

Sr.No	Name & Designation	No of posts	Existing	Vacant
1	<b>Chemistry/Pharmaceutical Lab.</b>			
	Scientific officer (Chem.)	1	-	1
	Analyst/Lab Tech (Chem)	1	1	--
	Lab attendant	1	1	---
	Safaiwala	1	1	---
2	<b>Pharmacognosy Lab</b>			
	Scientific officer (Chem.)	1	--	1
	Analyst/Lab Tech (Chem)	1	1	--
	Lab attendant	1	--	1
	Safaiwala	--	--	--
3	<b>Microbiology/Toxicology</b>			
	Scientific officer(Microbiology)	--	---	--
	Lab attendant	--	---	---
	Safaiwala	---	----	---
4	<b>Office</b>			
	Data operator	---	---	---

**Development of Standard Operating Procedures (SOP) of SMPs ASU drugs**

Sr.No.	Name & Designation	No of posts	Existing	Vacant
1.	Sr. Research Fellow	1	0	1
2.	Jr. Research Fellow	1	1	-



21.00	* 21.00	21.00	Orders placed
	56.0	56.00	35.00
	<b>57.0</b>	+intt.0.23997	21-00
		<b>23997</b>	<b>= 35.23997</b>

**III) Man Power :**

521429	102571	6.24 lacs	6.24
	102571		
3.20000	0.01000	3.21	3.21
		9.45	9.45
8.41429	1.03571		

**Grand Total            100.00**

**Detail of Expenditure upto 31 March 2009 under the Central Assisted scheme  
“ Development of standard Operating Procedure (SOP) of manufacturing Process of Compound Ayurvedic Formulation.”**

<b>Work/Financial Details</b>	<b>Funds released (Rs In Lac)</b>	<b>Headwise Expenditure</b>	<b>Total Expenditure</b>	<b>Balance</b>
<b>Purchase of modern equipments</b>	<b>1.10</b>	<b>-</b>	<b>105730</b>	<b>4270</b>
<b>Manpower on contractual basis</b>	<b>3.80</b>	<b>5357</b>	<b>354866</b>	<b>25134</b>
<b>Chemical and</b>	<b>1.38</b>	<b>----</b>	<b>1.38</b>	<b>Nil</b>

<b>consumables</b>				
<b>Maintenance of equipment/repairs etc.</b>	<b>0.25</b>	<b>----</b>	<b>24555</b>	<b>445</b>
<b>Contingencies and institutional support</b>	<b>1.17</b>	<b>----</b>	<b>1.17</b>	<b>Nil</b>
<b>Honorarium to the project Investigators</b>	<b>0.30</b>	<b>---</b>	<b>0.30</b>	<b>Nil</b>
	<b>8-00</b>	<b>104399</b>	<b>770151</b>	<b>29849</b>

## **HUMAN RESOURCE REQUIREMENT FOR DRUG TESTING LABORATORY**

### **A Botany/Pharmacognosy Loaboratory**

- 1 Scientific Officer (M. Pharma/Ph D)  
Or B. pharma/M.Sc
- 2 Analyst/Lab. Technician(B.Sc)

### **B Chemistry Section**

- 1 Scientific Officer (M. Pharma/Ph.D)  
Or.B. Pharma/M,Sc.
- 2 Analyst/Lab.Technician(B.Sc)

### **C Ayush Section**

- 1 Scientific officer (Ay./8/U/H)  
M.D(Rasashastra/Dravyaguna/Kusta  
Devasa/pharmacy of ISM & H/Materia-  
Medica of Homoeopathy.  
Or-B.A.M.S/B.S.M.S/B.U.M.S/B.H.M.S
- 2 Lab.Attendan on contract
- 3 Safaiwala on contract.

## **D Micro-biology & Toxicology Section.**

One expert with M.Sc/PhD/P.G in the concerned subject:

Note As regards emoluments for contractual scientific manpower for drug testing and evolving pharmacopoeial standards/SOPs etc.emoluments for Scientific officer/Analyst/Lab.Technician etc.have been included. For Ph.D/M.D(ASU)/M.Pharma/M.Tech.@ Rs. 11.000+HRA P.M. for [M.SC/B.A.M.S@Rs.](#) 9,000 P.M.+HRA, for B.Sc.@ Rs.8.000 P.M.+HRA per onth have been indicated (as per OSIR Pattern.

### **Contributing Laboratories & Institutions**

**The follwing institution have carried out the scientific work of monographs under APC Scheme :**

- 1 Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants  
(Council of Scientific & Industrial Research.) Lucknow  
.
- 2 I.P.G.T.R.A Gujarat Ayurved University ,  
Dhanvntari Mandir, Jamnagar.
- 3 Industrial Toxicology Research. Centre (Council of  
Scientific & Industrial Research) Lucknow.
- 4 Jawaharlal Nehru Ayurvedic Medicinal Plants  
Garden & Herbariun (Central Council for  
Research in Ayurveda and Siddha ) Pune.
- 5 National Botanical Reseach Institute ( Council of  
Scientific & Industrial Research) Lucknow.

- 6 National Institute of Pharmaceutical Education & Research S.A.S. Nagar (Punjab).
- 7 C.S.M.D.R.I.A Central Council for Research in Ayurveda and Siddha, Department of Ayush. New Delhi
- 8 Pharmacopocial at laboratory for Indian Medicine Department of Ayush, Ghaziabad.  
Govt. Drug Testing Laoboratory Joginder Nagar,  
Distt. Mandi (H.P.).
- 9 Regional Research Laboratory ( Council of Scientific & Industrial Research ) Jammu – Tawi.
- 10 Regional Research Laoboratory (Council of Scientific & Industrial Research ). Bhubaneswar.
- 11 Shri Ayurved Mahavidyalaya, Dhanwantari Marg Hanuman Nagar, Nagpur.
- 12 University Institute of Pharmaceutical Sciences, Punjab University, Chandigarh.

## राजकीय आयुर्वेदिक फामेसी जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी

### परिचय

हिमाचल प्रदेश राज्य देश के उत्तर पश्चिम भाग में 30 22'40" उत्तर से 33 12'20" और 75 45'5" ई पूर्व के मध्य स्थित है । हिमाचल प्रदेश बहुत लम्बे समय से प्राचीन एवं महान विद्वानों की अध्यात्मिक विशयों की मनुष्य जाति की भलाई की षोध स्थली रही है । आयुर्वेदिक सहिंताओं में यह वर्णित है कि जो औशधिय पौधे, हिमालय क्षेत्र में पाये जाते हैं वे श्रेष्ठ हैं एवं कई असाध्य रोगों के निदान एवं चिकित्सा की औशधियों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं । ऐसी ही एक सूचना के अनुसार हिमाचल प्रदेश में एन्जीयोस्पर्म की लगभग 3000 प्रजातियों में से लगभग 500 पौधों में औशधीय गुण पाये जाते हैं ।

गर्म से लेकर अति ठंडी जलवायु परिस्थितियों के कारण हिमाचल प्रदेश वनस्पति व जन्तुओं का एक विशेष प्राकृतिक आवास है । हिमालय की भौगोलिक स्थिति इस विविधता का मूल कारण है । राज्य की विविध कृषि ,विभिन्न जलवायु परिस्थिती के कारण, प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशेषता है । मुख्य रूप से राज्य में चार कृषि जलवायु क्षेत्र निम्न प्रकार से पाये जाते हैं ।

1. गर्म जलवायु वाले कम उर्चाई वाले पहाडी क्षेत्र (षिवालिक श्रृखलायें, समुंद्र से 800 मीटर तक)
2. मध्य उर्चाई वाले पहाडी अर्ध ठंडे क्षेत्र ( 800 से 1800 मीटर के मध्य वाले )
3. उंचे नम षीतोश्ण क्षेत्र और अर्ध एल्पाइन क्षेत्र (2800 मीटर से उचें)
4. उंचे षुश्क षीतोश्ण क्षेत्र(हिमालय की उर्चाई वाले क्षेत्र)

वर्तमान में दवाई निर्माता कम्पनियों की 20 प्रतिषत से अधिक सालाना वृद्धि है । केवल हि0 प्र0 में प्राईवेट क्षेत्र में कुछ समय पहले आयुर्वेदिक दवाई बनाने की इकाईयां नाम मात्र को थीं जो आज 110 के लगभग है । इससे प्रतीत होता है कि आयुर्वेदिक दवाईयों की बाजार में मांग तेजी से बढ रही है । मुख्यतः कच्चे हर्बल उत्पाद की आपूर्ति जंगलों से एकत्र करके की जाती है ।

आयुर्वेद विभाग जड़ी बूटी और दवाईयों का मुख्य प्रयोगकर्ता व उपभोक्ता होने के कारण, यह निर्णय लिया गया कि जोगिन्दरनगर में एक केन्द्र स्थापित किया जाये जहां औशधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं जैसे सर्वेक्षण, एकत्रिकरण, प्रयोग, संरक्षण और कृषि आदि पर षोध किया जाये । जोगिन्दरनगर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और पुराना आयुर्वेद विभाग का परिसर है जोकि औशधीय पौधों तथा गुणवता नियन्त्रण एवं आयुर्वेदिक दवाईयों का निर्माण कर रहा है विभाग ने वर्ष 1994-95 से अपने जोगिन्दरनगर के षोध केन्द्र पर जड़ी बूटियों की सम्पदा के विकास के लिये एक विस्तृत कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसमें जड़ी बूटियों के प्रोत्साहन , प्रयोग संरक्षण और प्रबन्धन पर कार्य किया जाता है । 19 अक्तूबर 1994 को तत्कालीन मुख्यमन्त्री ने जड़ी बूटियों के हरवेरियम का उद्घाटन किया था जिसमें जड़ी बूटियों से सम्बन्धित आलेख तथा पौधों के नमूने रखे जाते हैं ।

## **V.Pharmacies**

### **Govt. Ayurvedic Pharmacy, Jogindernagar, District Mandi(H.P.)**

During this year the targets for the manufacturing of Ayurvedic Medicines were fixed by the department which are as under:-

<b>Target Allotted for the year 2006-07</b>	<b>Targets Achieved up to 3/2008</b>	<b>Total Cost of Medicines prepared for the year 2005-06</b>
1	2	3
60	25	6060467

### **Government Ayurvedic Pharmacy ,Majra, District Sirmaur(H.P.)**

During the year the targets for the manufacturing of Ayurvedic Medicines were fixed by the Department which are as mentioned below:-

#### **Asava Section**

<b>Target Allotted for the year 2008-09</b>	<b>Targets Achieved up to 3/2009</b>	<b>Total Cost of Medicines prepared for the year 2008-09</b>
33976 Litres	21000 Liters	46,30,614/-
Total 16 Medicines	Total 16 Medicines	

### **Bhasm Section**

15975	12491 Kg.	20,29771
Total 18 Medicines	Total 18 Medicines	

### **Free Medical Camp**

During the year 2007-08 the following free Ayurvedic Camps were held in the different are of the state

S.No	Name of District	Place where Camps Held	Proposed Camp	Period
1	Mandi	1) Karsog	Kashar Sutra	15-11-08 to 22-11-08
2.	Shimla	2) Dhalli	Free Medical Camp	17-5-08
		RAH Shimla	Free Medical Camp for Geriatrics	15-6-08 to 30-6-08
3.	Kinnaur	Recong Peo	Lavi Mela	30-1-08 to 2-2-08
			Red cross Mela	1-5-08
			Homoeopathic Camp	30-10-08 to 31-11-08
4	Bilaspur	Trilok Yubak Manda Pasloti	Free Medical Camp	15-1-2009
5	Kangra	Sub. Divi. Ayur. Hospital Dehra	Free Medical Camp	8-2-09 to 15-2-08

		Ayurvedic Health Centre Ghamroor	Free Camp	Medical	20-4-08 to 27-4-08
7	Sirmour	Brma Papati	Free Camp	Medical	27-8-08
		Renuka Mela	Free Camp	Medical	7-11-2008 to 13-11-08
		Dangiyar	Free Camp	Medical	15-12-08
		Dhaura Kua	Free Camp	Medical	7-3-2009
8	Chamba	Mando	Free Camp	Medical	22-6-08
		Sirdi	Free Camp	Medical	5-7-08
		Khani	Free Camp	Medical	6-7-08
		Nayagran	Free Camp	Medical	17-7-08
		Ruhnukothi	Free Camp	Medical	18-7-08
		Kugati	Free Camp	Medical	28-7-08 to 30-7-08
		Tundah	Free Camp	Medical	3-8-08 to 4-8-08
		Garola	Free Camp	Medical	5-8-08
		Durgatti	Free Camp	Medical	7-8-08

		Ulansa	Free Medical Camp	9-8-08
		Chanhotta	Free Medical Camp	12-8-08
		Kugati	Free Medical Camp	18-11-08
	Solan	Solan	Free Medical Camp	15-9-2008 to 24-8-2008
		Nalagarh	Kshar Sutra	15-3-09 to 22-3-09

हर्बल गार्डन

पट्ट क.-1 हर्बल गार्डन जोगिन्दरनगर (अप्रैल 2008-मार्च 2009)

अ. कुल उद्यान भूमि

24 एकड

उद्यान की गतिविधियों के लिए रक्षित भूमि

18 एकड

भविष्य की योजना के लिए रक्षित भूमि

6 एकड

अ.1 भवन व अन्य निर्माणों के अधीन भूमि

1.61 एकड

अ.2 बहुवर्षीय पौधों के अधीन भूमि

1. पेड़ों के अधीन क्षेत्र

3 एकड

2. बेलों व झाड़ियों के अधीन क्षेत्र

3 एकड

3. पौधों और घास के अधीन क्षेत्र

1 एकड

अ.3 कृषि , कृषि तकनीक विकास, पोली हाउस,  
पौधषाला

और बीज सम्बर्धन के अधीन क्षेत्र

4 एकड

अ.4 सिंचाई नालियों, टैंक व नाले

0.39 एकड

अ.5 भूमि विकास अधीन क्षेत्र

1.5 एकड

अ.6 प्रदर्षनी क्षेत्र

अ.2और अ.3

	अ.7	सडक, रास्ते	
	1.5	एकड	
ब.		हर्बल गार्डन में निर्माण	
	ब.1	पोली हाउस	6(2-25ग 25 मी0,4-10ग 40
		मी0) आकार	
	ब.2	जालीदार पौध गृह	1
	ब.3	सुखाने व भण्डारण गृह निर्माण	1 (9 मी0ग 9
		मी0)	
स.		अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक के कार्यों का व्यौरा	
	स.1	भूमि की तैयारी	5 एकड
	स.2	पौध/पौध करतने	2000
		वर्गमीटर	
	स.3	खुले खेत में तैयार पौध	
		(तुलसी, ब्रहमी, अष्वगंधा, सर्पगन्धा, षतावर, संसपाई, स्टीविया)	25000
		पौधे	
	स.4	पोली हाउस में तैयार पौधे	
		( तेजपत्र, हरड, बहेडा, आवला, कौंच, सर्पगन्धा, षतावरी, वासा, कडीपता आदि)	5000
		पौध	
	स.5	पौध रोपण	15000
		एक वर्शीय	
			1600
		बहुवर्शीय	
	स.6	बीज व पौध का विपणन	
		97364/- रूप्ये	
	स.7	ग्रीन/ पौलीहाउस में पौध तैयार	
		(षतावरी 1000 )(सर्पगन्धा 1000 )( संसपाई 500)	

मघपिपली,बनफषा, ब्रहमी,तुलसी, स्टीविया, अष्वगन्धा आदि)

स.8 नये पौधों का कृशिकरण व सम्बर्धन

( जीवक, मुरा, जंगली प्याज,पाशाणभेद,पुर्ननवा,सफेद मूसली,

स्टीविया, नीम, जैट्रोफा आदि)

स.9 प्रायोगिक कृशि / बीज सम्बर्धन

(मालकंगनी,षतावरी,सर्पगन्धा,तुलसी,कपूरतुलसी,तेजपत्र,वच,ब्रहमी, धनिया,लहसुन,हल्दी,वासा,सफेदमूसली)

स.10 पौध क्यारियों में पौध करतन प्रयोग

( जिन्को,तालिसपत्र,मघपिपली,स्टीविया,बुलगेरियन गुलाब आदि)

ग. नई जडी-बूटियों उगाई गई:- नीम और जेट्रोफा

घ. प्रायोगिक कृशि से उत्पादन

क्रम सं०	औशधियों के नाम	मात्रा(लगभग)
1.	तुलसी	200 कि० ग्राम
2.	बारहमासी तुलसी	200 कि०ग्राम
3.	आंवला	10 कि० ग्राम
4.	ब्रहमी	60 कि० ग्राम
5.	जम्बीरी	50 कि० ग्राम
6.	धनिया	25 कि० ग्राम
7.	हल्दी	30 कि० ग्राम
8.	तेजपत्र	10 कि० ग्राम
9.	कतरीन	10 कि० ग्राम
10.	वच	25 कि० ग्राम
11.	हरड	50 कि० ग्राम
12.	बहेडा	100 कि० ग्राम

13.	मधुपत्री	10 कि० ग्राम
14.	षतावर	10 कि० ग्राम

च. साल के दौरान बीज एकत्र

क्रम सं०	औशधियों के नाम	मात्रा(लगभग)
1.	कस्तूरी भिण्डी	200 ग्राम
2.	उलट कम्बल	500 ग्राम
3.	संसपाई	500 ग्राम
4.	मालकंगनी	2000 ग्राम
5.	वायविडंग	2000 ग्राम
6.	आंवला	100 ग्राम
7.	चन्द्रधूर	1000 ग्राम
8.	लाजबन्ती	200 ग्राम
9.	रामतुलसी	1000 ग्राम
10.	ष्याम तुलसी	300 ग्राम
11.	सर्पगन्धा	1500 ग्राम
12.	कारडैक्स	500 ग्राम
13.	अर्जुन	9000 ग्राम

छ. नर्सरी में तैयार पौध:-

क्रम सं०	औशधियों के नाम
1.	वासा
2.	ससंपाई
3.	पूर्णनवा
4.	मालकंगनी
5.	वायविडंग
6.	आंवला
7.	तेजपत्र
8.	कौंच
9.	कढीपत्र

10.	ष्योनाक
11.	सर्पगन्धा
12.	रीठा
13.	हरड
14.	बहेडा
15.	अष्वगंधा
16.	करंज

ज. वर्मीकल्चर खाद

6

किवंटल

झ. गुट्टी लगाना:- आंवला,रुद्राक्ष,दालचीनी आदि

प. अन्य आवश्यक कार्य:-

1. खरपतवार व निराई गुडाई खेतों में
2. नर्सरी क्षेत्र, पोली हाउस और गमलों को पानी देना व खरपतवार नियन्त्रण
3. 1000 के लगभग पौधों को खाद देना
4. जडीबूटियों जैसे तेजपत्र, हल्दी,हरड, मालकंगनी,संसपाई, तुलसी,वासा की झाड़ियों की कटाई
5. किसानों, छात्रों और अन्य आगन्तुकों को गार्डन का भ्रमण करवाना
6. गढढे खोदना (1ग1 ग1.5 मी0 ) तथा पौधों के तौलिये बनाना(वर्श में दो बार)

क-2 हर्बल गार्डन नेरी( हमीरपुर, हि0 प्र0)

अ. कुल क्षेत्रफल

28 एकड

अ.1 उद्यान की गतिविधियों के अन्तर्गत क्षेत्र

16 एकड

अ.2 बहुवर्षीय पौधों के अधीन क्षेत्र

8 एकड

1. पेडों के अधीन

6 एकड

2. बेलों और झाड़ियों के अधीन

1.5 एकड

3. पौधों और घासों के अधीन

0.5 एकड

अ.3 प्रायोगिक कृषि , कृषि तकनीक विकासए  
पोली हाउस,नर्सरी और बीज सम्बर्धन के अधीन क्षेत्र

3 एकड

अ.4 सिंचाई नालियों / टैंक / नाले

0.25 एकड

अ.5 विकास के अन्तर्गत क्षेत्र

2.5 एकड

अ.6 प्रदर्शनी क्षेत्र

अ.2 और अ.3

अ.7 रास्ते / सडक अधीन क्षेत्र

1.75 एकड

ब. उद्यान में निर्मित भवन इत्यादि

ब.1	पोली हाउस	2(10.5 ग 4 मी) प्रत्येक
ब.2	जालीदार पौधषाला	1(20ग 10 मी0)
ब.3	मालीहट	1(4ग 4 मी0)
ब.4	हर्बल स्टोर और कार्यालय	1(16ग 10 मी0)
ब.5	सुखाना और प्रसंस्करण गृह	1(15ग10 मी0)
ब.6	पानी के टैंक	1(5ग3 मी0)

स. 1 अप्रैल 2008 से मार्च 2009 तक के कार्यों का व्यौरा

स.1	भूमि तैयारी	2 एकड
स.2	पौध/पौध करतने	200 वर्ग मीटर

- स.3 खुले क्षेत्र में पौध उगाई 5000 पौध  
(अष्वगंधा, कालमेघ, अकरकरा, तुलसी, इष्वगोल,  
चन्द्रषूर, जैट्रोफा, मघपिपली, पूर्ननवा, कतरिन आदि)
- स.4 पोली ट्यूब में तैयार पौधे 6000  
(नीम, चंदन, हडजोड, मालकंगनी)
- स.5 पौधरोपण 2000
- स.6 पौध बिक्री व संस्थान किराया  
52115/-
- स.7 ग्रीन हाउस में तैयार पौधे 2000  
(अष्वगंधा, सर्पगन्धा, वावची, चन्दन आदि)
- स.8 पौधों का सम्वर्धन और कृशिकरण: चन्द्रषूर,  
रूद्राक्ष, उल्टकम्बल, चन्दन, हडजोड, हल्दी, कपूर काचरी  
आदि
- स.9 पौध प्रायोगिक कृशिके अन्तर्गत : वाघनखा,  
मुलेठी, षालपर्णी, घृतकुमारी, छोटी कंटकारी
- स.10 नर्सरी में पौध करतने: मुलेठी, गिलोय, मेहंदी,  
चमेली, घृतकुमारी आदि।
- च. नये औशधीय पौधे :- पुत्रजीवा, स्टीविया, घृतकुमारी

छ. उघान उत्पाद प्रायोगिक कृशिके से :-

कम सं०	पौध नाम
	मात्रा(किलोग्राम)
1.	कतरिन
	5 किलोग्राम
2	अपामार्ग
	8 किलोग्राम

3.	सर्पगन्धा
3 किलोग्राम	
4.	कालमेघ
5 किलोग्राम	
5.	हरड
20 किलोग्राम	
6.	बहेडा
10 किलोग्राम	
7.	पुदीना
5 किलोग्राम	
8.	पिपरमिंट
5 किलोग्राम	
9.	कपूरतुलसी पंचाग
20 किलोग्राम	
10.	हल्दी
2 किलोग्राम	

ज. वर्ष में एकत्र किये गये बीज :

क्रम सं०	पौध नाम
मात्रा(किलोग्राम)	
1.	मालकंगनी
7 किलोग्राम	
2.	अर्जुनछाल
20 किलोग्राम	
3.	वला
0.5 किलोग्राम	
4.	सर्पगन्धा
0.4 किलोग्राम	
5.	अष्वगन्धा
0.25 किलोग्राम	

6.		आंवला
	0.10 किलोग्राम	
7.		कालमेघ
	0.05 किलोग्राम	
8.		काला धतुरा
	0.02 किलोग्राम	
9.		हरड
	5 किलोग्राम	
10.		बहेडा
	2 किलोग्राम	
11.		एरंड
	0.1 किलोग्राम	
12.		जयपाल
	0.2 किलोग्राम	
13.		अमलतास
	0.05 किलोग्राम	
14.		चित्रक
	0.1 किलोग्राम	
15.		षतावर
	0.2 किलोग्राम	
16.		बाघनखा
	5 किलोग्राम	
17.		संसपाई
	0.05 किलोग्राम	
18.		बाकुची
	0.05 किलोग्राम	
19.		चन्दन
	1 किलोग्राम	

20.

अकरकरा

0.25 किलोग्राम

झ. नर्सरी में तैयार पौधः—

क्रम सं०	पौध नाम	संख्या
1.	नीम	900
2.	चन्दन	400
3.	मधुपत्री	200
4.	करंज	150
5.	षतावर	400
6.	हरड	230
7.	बहेडा	450
8.	अर्जुन	200
9.	रीठा	20
10.	विल्व	300
11.	मालकंगनी	500
12.	आंवला	500
13.	जामुन	200
14.	काला धतुरा	100
15.	संसपाई	70
16.	अष्वगंधा	180
17.	सर्पगन्धा	200
18.	पीतकनेर	100
19.	पुत्रजीवा	120
20.	हडजोड	200
21.	तुलसी	50
22.	सुहाजन	100
23.	कालमेघ	200
24.	कौंच	30

#### ट. पौधरोपण व्यौरा:

क्रम सं०	पौध नाम	संख्या
1.	घृत कुमारी	428
2.	अष्वगंधा	200
3.	सर्पगन्धा	400
4.	मुष्कीकपूर	22
5.	तेजपत्र	15
6.	काला धतूरा	350
7.	हरड	105
8.	आंवला	35
9.	बहेडा	100
10.	कतरीन	60
11.	कालमेघ	200
12.	कौंच	30
13.	नीम	50

ठ. गुटटी लगाई:- रूद्राक्ष की 100 टहनियों पर गुटटी लगाई गई थी जिसमें से 20 प्रतिशत सफल रही ।

#### ड. अन्य गतिविधियाँ:

1. उपरोक्त लिखित पौधों में खरपतवार नियन्त्रण,खाद देना, सिंचाई करना ।
2. पोलीबैग को ढंकने के लिये शैड नैट का निर्माण ।
3. 1000 पोलीबैग भरे गये ।
4. तोलिये निर्माण, मलचिंग इत्यादि समय-2 पर करना ।
5. 8 एकड भूमि से झाडियों की कटाई ।
6. किसानों ,छात्रों और अन्य लोगों को जानकारी देना ।
7. हमीर उत्सव, सुजानपुर होली मेले में प्रदर्शनी लगाना और प्रथम स्थान प्राप्त करना ।
8. बहुवर्षीय पौधों का रख रखाव ।
9. सेमी प्रोसेसिंग केन्द्र का रख रखाव ।
10. कांटेदार तार का रख रखाव जैसे तारें कसना, जोडना आदि

### क. 3 हर्बल गार्डन, धुमरेडा जिला शिमला हि0 प्र0

#### परिचय

वर्ष 1998-99 में आयुर्वेद विभाग ने हर्बल गार्डन स्थापित करने के लिए जिला शिमला के धुमरेडा गांव में 7 एकड भूमि का अधिग्रहण किया । इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसे जडी बूटी उद्यान को विकसित करना है जहाँ पर उँचे स्थानों पर पाई जाने वाली कीमती जडी बूटियों को उगाया, उच्च गुणवत्ता का बीज तैयार करना और आसपास के किसानों को जडी बूटियों के सम्बर्धन ,कृषिकरण और प्रयोग की तकनीकी जानकारी प्रदान करना है और विपणन करने सम्बन्धी सहायता करना जिससे कि उनकी आर्थिक स्थिती में सुधार हो ।

जब से यह उद्यान स्थापित हुआ है इसे अनुसंधान संस्थान जोगिन्दरनगर से जोडा गया है इस उद्यान में कई केन्द्रीय प्रायोजिल परियोजनाओं में उचाई में पाई जाने वाली कीमती जडी बूटियों का उच्च गुणवत्ता का बीज तैयार करने की चल रही है ।

#### धुमरेडा जडी बूटी उद्यान की भौगोलिक स्थिती

स्थिती: गांव धुमरेडा, डाक0 देवीधर तैह0 चिडगांव , जिला शिमला ,हि0 प्र0

कृषि जलवायु परिस्थितिकी: उँची पहाडियों वाला नम ढंडा क्षेत्र

उँचाई : 8000 मीटर से उँचा

#### उद्यान की भूमि की स्थिती

कुल भूमि:	7 एकड
विभिन्न परियोजनाओं के अधीन भूमि	5 एकड
भविष्य की योजनाओं के लिए रक्षित क्षेत्र	1 एकड
भवन इत्यादि के अन्तर्गत क्षेत्र	1/2 एकड
प्रदर्शनी प्रक्षेत्र व नर्सरी क्षेत्र	1/2 एकड

#### मानव शक्ति / स्टाफ

1.	उद्यान प्रभारी	1
2.	माली	1
3.	बेलदार	1

4 आकस्मिक बेलदार 14

अन्य सुविधायें

1.	बीज भण्डार	3
2.	पोली गृह	1
3.	शेड नैट गृह	1
4.	नर्सरी शेड नैट गृह	1
5.	औजार	जरूरत के अनुसार
6.	उधान की सुरक्षा	कांटेदार तार
7.	वर्मी कम्पोस्ट पिट	2
8.	सिंचाई सुविधा	जरूरत के अनुसार

विभिन्न परियोजनाओं के अधीन निर्माण कार्य प्रस्तावित

1.	सोलर ड्रायर	1
2.	औजार भण्डार	1

प्रदर्शनी व उच्च गुणवत्ता का बीज तैयार करने के लिये उधान में उगाई गई महत्वपूर्ण जडी बूटियां

क्रम सं०	नाम	पौध	गुणवत्ता का पैमाना	
2008-09 में तैयार				
		की संख्या		बीज मात्रा
	बीज(ग्राम)	पौध		
1.	कशमीरी अकरकरा	1000	जैविक खेती	50
	1000			
2.	वत्सनाभ	500	यथावत	0
	500			
3.	अतीस	50000	---	1000
	1लाखसेअधिक			
4.	चोरा	500	---	200
	500			
5.	रतनजोत	40	---	.---
	---			

6.	पाषाणभेद ---	600	---	---
7.	सालमपंजा ---	2000	---	---
8.	तिलपुष्पी 2000	3000	---	50
9.	सिंगलीमिंगली ---	100	---	---
10.	पतराला 500	300	---	50
11.	पुष्करमूल ---	20	---	---
12.	जटामांशी ---	20	---	---
13.	कडु 20000	50000	---	---
14.	बनककडी 1000	1000	---	200
15.	मेदा 2000	1000	---	---
16.	रेवन्दचीनी 2000	500	---	---
17.	मूरा 2000	5000	---	50
18.	कस्तूरीपत्र ---	50	---	---
19.	चिरायता 2000	2000	---	20
20.	रखाल ---	300	---	---



प्लांटिंग मैटीरियल फार मैडीसीनल प्लांट अण्डर होल्टीकल्चर मिशन टैकनोलोजी मिशन-एम.एम.-1	मिशन वाया सी.पी.ओ.आई. शिमला				
---	-----------------------------------	--	--	--	--

जडी बूटी उधान धुमरेडा की उपलब्धियाँ (2005 से 2008)

- भूमि विकास - लगभग 4 एकड भूमि
- खेत तैयार - लगभग 100 से अधिक छोटे बड़े आकार के
- प्रदर्शनी प्लांट - 25 से ज्यादा प्रजातियां 300 खेतों में
- नर्सरी क्षेत्र - 1/2 एकड
- भवन निर्माण - बीज भण्डारण गृह -3  
शेड नैट गृह -1  
पोली हाउस -1  
सिंचाई सुविधायें- तैयार

निर्माण कार्यों के लिये वित्त दिया गया

1. सोलर ड्रायर
2. पोली हाउस

आय 2008-09      रुपये 5000/- (पैसा आना बाकी है)

किसान प्रशिक्षण शिविर

<u>क्रम सं०</u>			<u>लाभान्वित व्यक्ति</u>
1.	5 दिवसीय	1	20
2.	प्रदर्शनी	2	144
3.	1 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर	8	461

लक्ष्य 2009-10 के लिये

1. चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र समाप्त करना
2. औजार भण्डारण गृह का परियोजना के अन्तर्गत निर्माण करना
3. लगभग 15000 अतीश और 10000 करतने कुटकी की उधान में लगाना
4. तिलपुष्पी, रेवन्दचीनी, वनककडी आदि को भी उधान में लगाया जाएगा

## प्रशिक्षण और प्रसार गतिविधियां

### अ. किसान प्रशिक्षण शिविर

राज्य में किसानों तथा अन्य लोगों के लिये किसान प्रशिक्षण शिविरों तथा प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है ताकि लोगों में हिमाचल प्रदेश में पाई जाने वाली औषधीय पौधे के पहचान, संरक्षण, सम्बर्धन, कृषिकरण तथा प्रयोग के महत्व बारे जागरूकता लाई जा सके । लोगों को शिविरों में घर के आसपास पाई जाने वाली जडी बूटियों के प्रयोग की जानकारी दी जाती है ताकि इन जडी बूटियों से सस्ते में भोजन सामग्री तथा अन्य गुणवत्ता युक्त पदार्थ प्राप्त किये जा सकें । प्रयोग के तौर पर लोगों को आवंला, अजवायन, मालकंगनी, एरंड, वला, सनूही, तुलसी, भृंगराज, बुरांस, ब्रह्मी, गिलाये, गुलाब, पुदीना, हरड, बहेडा आदि के उत्पाद बनाने सिखाये जाते हैं। विभिन्न प्रकार के तेल जैसे सिर में लगाने तथा दर्द निवारक तेल बनाने भी सिखाये जाते हैं । इन विषयों पर जानकारी देने के लिये सस्ती दरों पर घर में ईलाज की श्रृंखला तैयार की गई हे जो लोगों को जानकारी प्रदान करती है। इसके लिये किसानों को संस्थान से बाहर प्रदर्शनियां लगाकर जागरूक किया जाता है। किसानों तथा अन्य लोगों को विभिन्न प्रकार से पौधों के श्रेणीकृत करके सस्ती दवाईयों के उपयोग के बारे में बताया जाता है जैसे जच्चा-बच्चा, पंचकर्म, और बुढापे में पत्राचार करके भी लोगों को जानकारी प्रदान की जाती है ।

लाभकर्ता

कार्य का व्यौरा

1.4.08

से 31.3.09 तक

1. कुल जागरूकता भ्रमण शिविर और प्रशिक्षण

85

2452

2.	किसान जागरूकता भ्रमण	(संस्थान में )	31
		(संस्थान से बाहर)	3
	1162		
3.	अन्य जागरूकता भ्रमण और शिविर		41
	1222		
4.	किसान/ अन्य प्रशिक्षण शिविर		2
	68		

5.	विभागीय प्रदर्शनी		7
	1.जोगिन्दरनगर मेला 1से 5.4.08		
	2.भारत निर्माण मेला 22 से 26.4.08		
	3.रेडकास मेला 21.9.08		
	4.किन्नौर उत्सव रिकांगपिओ में 30.10.08 से 2.11.08		
	5.हमीर उत्सव 1 से 5.11.08		
	6.व्यापार मेला , दिल्ली 14 से 27.11.08		
	7.सुजानपूर होली मेला 9 से 11.3.08		
6.	अन्य (छात्र,शोधार्थी, स्वयंसेवी संस्थान, सरकारी अधिकारी)		

#### लाभकर्ता

कार्य का व्यौरा	1.4.09
-----------------	--------

#### से 30.5..09 तक

—कुल जागरूकता भ्रमण व प्रशिक्षण शिविर	5
129	
—किसान/ अन्य प्रशिक्षण शिविर	3
102	

—अन्य जागरूकता भ्रमण व शिविर 2

27

—विभागीय प्रदर्शनियाँ

(जोगिन्दरनगर मेला 1 से 5.4.09)

— प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन से एकत्र फीस	19750 /—
—किसान भवन से एकत्र फीस	<u>127502 /—</u>
— कुल फीस प्राप्ति	<u>147252 /—</u>

### हरबेरियम

#### उद्देश्य:—

- औषधीय पौधों के नमूनों के पहचान कर व्यवस्थित तरीके से सुरक्षित व संग्रहित करना ।
- प्रयोज्य—अंग के अनुसार औषधीय पौधों के नमूनों का पंचाग,मूल,त्वक, पत्र,ल एवं बीज आदि के अनुसार वर्गीकृत कर दर्शाना ।
- किसान एवं ग्रामीण लोगों, आयुर्वेदिक चिकित्सकों,आयुर्वेद के छात्रों, गैर सरकारी संस्थाओं , फार्मसी, उद्योग, अनुसंधान आदि से जुड़े हुए लोगों को औषधीय पौधों से सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध करवाना ।
- संस्थान द्वारा तैयार की गई औषधीय पौधों से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी सहित मुद्रित सामग्री का प्रदर्शन ।

#### 1. औषधीय द्रव्यों के नमूनों का रखरखाव:

वर्तमान में रखे गये हरबेरियम में 525 हर्बल द्रव्यों को साफ किया गया तथा जहां जहां आवश्यकता समझी गई वहां इन्हें कीटों आदि के प्रभाव से बचाने के लिए रासायनिक विष का प्रयोग करके सुरक्षित रखा गया । यहां यह लिखना उचित रहेगा कि इन नमूनों को समय —2 पर पैथोजन, वैक्टिरिया, फफूंद व कीटों आदि से बचाने के लिए रासायनिक विष का प्रयोग अनिवार्य हो जाता है ताकि यह नमूने हरबेरियम में सुरक्षित प्रदर्शित किये जा सकें ।

## 2. औषधीय पौधों के हरबेरियम शीटज पर संग्रहित नमूनें

संग्रहालय में पूर्व संग्रहित लगभग 5090 औषधीय पौधों की हरबेरियम शीटस का रख रखाव किया गया तथा इन्हें कीटों आदि के प्रभाव से बचाने के लिए रसायनिक विष का प्रयोग करके सुरक्षित रखा गया ।

## 3. वर्गीकरण(फैमलीज) की सूचना

हरबेरियम में प्रदर्शित 5090 हरबेरियम शीटज की 84 फैमलीज का साहित्य हरबेरियम शीटज के लिए बनाई अलमारियों(बाक्स)के बाहर प्रदर्शित किया गया ताकि हर प्रकार के आगन्तुकों को इनकी तुरन्त सूचना प्राप्त हो सके ।

## 4. सपीसिज कवर के कम्प्यूटरीकृत लेबल बदलना

वर्तमान में रखे गये 514 में से 300 सपीसिज कवर(फाईलें) जिस में औषधीय पौधों की हरबेरियम शीटज रखी जाती है के पुराने लेबल की जगह नए कम्प्यूटरीकृत लेबल लगाये गये तथा बाकी को बदलने का काम प्रगति पर है ।

## 5. अतिरिक्त हर्बल नमूने प्रदर्शित करने /पुराने नमूनों या हरबेरियम शीटज को बदलना

समय-2 पर कुछ हर्बल नमूनों एवं हरबेरियम शीटज को बदलना अनिवार्य हो जाता है और यह लगातार जारी रखने की प्रक्रिया है । इसके अन्तर्गत ब्रहमी,सफेद मूसली, पुदीना,तुलसी, वाबुई तुलसी,कर्पूर तुलसी,हरड, बहेडा, आंवला,गिलाय,अश्वगन्धा, मण्डूकपर्णी, भृंगराज,चित्रक, वच, रखाल आदि के नमूनों को बदला गया ।

6. हर्बल पौधों के नमूनों को इकटठा करने के बाद एवं हरबेरियम शीटज बनाने एवं इनके प्रदर्शन तक एक लम्बी प्रक्रिया है जैसे इनमें रसायनिक विष लगाना,हर्बल प्रैस में दबाना, हरबेरियम में रखे माउंट बोर्ड ( जिस पर हर्बल नमूनों को चिपकाया जाता है )पर चिपकाना एवं संग्रहित कर प्रदर्शित करना । वर्तमान में 20 हरबेरियम शीटज को हरबेरियम में प्रदर्शित करने की प्रक्रिया जारी है ।

## 7. मुद्रित सामग्री की बढोतरी

20 हर्बल पौधों से सम्बन्धित अतिरिक्त मुद्रित सामग्री को हरबेरियम में प्रदर्शित किया गया ।

#### 8. आगन्तुको को शिक्षण/ जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों से आए 1653 आगन्तुकों जैसे किसान एवं ग्रामीण लोग, आयुर्वेद के छात्रों , आयुर्वेद चिकित्सकों , गैर सरकारी संस्थाओं , फार्मसी उद्योग एवं अनुसंधान से जुड़े लोगों आदि को औषधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं जैसे पहचान एवं उनका प्रयोग आदि के बारे में जानकारी दी गई ।

#### 9. विभागीय प्रदर्शनियां

संस्थान के प्रशिक्षण अनुभाग को प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर निम्नलिखित प्रदर्शनियां आयोजित करने में सहयोग दिया गया ।

- 1.जोगिन्दरनगर मेला 1से 5.4.08
- 2.भारत निर्माण मेला 22 से 26.4.08
- 3.रेडकास मेला 21.9.08
- 4.किन्नौर उत्सव रिकांगपिओ में 30.10.08 से 2.11.08
- 5.हमीर उत्सव 1 से 5.11.08
- 6.व्यापार मेला , दिल्ली 14 से 27.11.08
- 7.सुजानपूर होली मेला 9 से 11.3.08

हरबेरियम में प्रदर्शित 31.3.2009 तक हर्बल नमूनों की स्थिती :

अ.हर्बल नमूने	
अ.1 विभिन्न हर्बल द्रव्य	
नमूने का नाम	संख्या
मूल औषधीय द्रव्य	96
त्वक औषधीय द्रव्य	54
पत्र औषधीय द्रव्य	68
फूल औषधीय द्रव्य	25
फल/ बीज औषधीय द्रव्य	74

पंचाग औषधीय द्रव्य	52
कुल:	369
अ.2 विशिष्ट तरह के हर्बल नमूने	
जच्चा एवं बच्चा के स्वास्थ्य में प्रयोग होने वाले औषधीय द्रव्य	30
मसालों के रूप में होने वाले औषधीय पौधे	20
विभिन्न बिमारियों में उपयोग होने वाले औषधीय पौधे	50
मिश्रित वर्गीकरण के अनुसार औषधीय पौधे	31
हर्बल गार्डन जोगिन्दरनगर में उगाए जाने वाले औषधीय पौधे	25
कुल:	156
कुल नमूने अ.1अ.2	525
आ. हरबेरियम शीटज	
औषधीय पौधों के कुल फैमलीज	84
औषधीय पौधों के जैनरा	314
औषधीय पौधों के सपीसिज	504

### वनस्पति अनुभाग

प्रोजनी हर्बल गार्डन की स्थापना :-अनुसंस्थान , जोगिन्दरनगर के परिसर में वानिकी विभाग हि0 प्र0 के सौजन्य से भवतजपबनसजनतम ज्मबीदवसवहल डपेपवदके अन्तर्गत एक प्रोजनी हर्बल गार्डन की स्थापना की गई है । इस प्रोजनी;त्तवहमदलद्ध हर्बल गार्डन में बढ़िया विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों के बीज तथा पौध तैयार कर प्रदेश तथा प्रदेश के बाहर किसानों, बागवानों तथा अन्य संगठनों को दिए जा रहे हैं जोकि औषधीय पौधों की खेतीबाडी में रुचित रखते हैं ।

निम्न औषधीय पौधों की प्रजातियां तैयार की जा रही है ।

- |                |               |
|----------------|---------------|
| 1. कालमेघ      | 2. सफेद मूशली |
| 3. शतावर       | 4. ब्रहमी     |
| 5. सनाय        | 6. अमलताश     |
| 7. मण्डूकपर्णी | 8. कपूर       |
| 9. तेजपत्र     | 10. जिन्को    |

- |               |                 |
|---------------|-----------------|
| 11. कढीपत्ता  | 12. बाबुई तुलसी |
| 13. तुलसी     | 14. काली तुलसी  |
| 15. सर्पगन्धा | 16. ऐरण्ड       |
| 17. स्टीविया  | 18. अर्जुन      |
| 19. बहेडा     | 20. हरड         |
| 21. अश्वगन्धा | 22. आमला        |
| 23. मालकंगनी  |                 |

औषधीय पौधों की पहचान:- इस संस्थान द्वारा औषधीय पौधों की पहचान की जाती है तथा पहचान करने के उपरान्त इनका सारा रिकार्ड हरबेरियम में रखा जाता है । इस वर्ष ब्रेण्डण हि० प्र० कृषि विश्वविद्यालय तथा अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा भेजे गये औषधीय पौधों के नमूनों की जांच की गई । इसके अतिरिक्त इस अनुभाग द्वारा Sher-e Kashmir University of Agriculture Science & Technology ,Jammu के साथ एक केन्द्रीय परियोजना [Free Radical Scavenger & Antioxident activities of Selected North Western Himalaya Plants] परियोजना के अधीन औषधीय पौधों के नमूने एकत्र करके उनका वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है ।

औषधीय पौधों के बीजों का चयन:- उत्तम किस्म के औषधीय पौध तैयार करने के लिए बीजों की बतममदपदह कर उनके औषधीय पौध तैयार किये जाते हैं । इस वर्ष हरड,बहेडा,आमला व तेजपत्र के पौधों के बीज को बतममद करने के पश्चात वन मण्डल अधिकारी को रोपण के लिए दिया गया ।

कच्ची जडी बूटियों की पहचान:- औषध परीक्षण प्रयोगशाला , जोगिन्दरनगर में वनस्पति अनुभाग द्वारा 500 से अधिक जडी बूटियों के नमूनों की पहचान की गई तथा निम्न प्रकार से टेस्ट किये गये :

1. **Macroscopic character of raw material.**
2. **Microscopic character of raw material.**
3. **Histology study & drawing of raw material.**
4. **Preparation of permanent slides.**

औषधीय नमूनों की जांच:- 300 से अधिक औषधीय नमूनों जोकि सरकारी एवं गैर-सरकारी फार्मसियों द्वारा प्राप्त हुए, उनकी भेषज्य जांच करके रिपोर्ट दी गई ।

एस०ओ०पी० परियोजना:- इस परियोजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा मानक निर्धारण के लिए 13 औषधी प्रदान की गई थी ।

इसके अन्तर्गत 6 औषधियों के मानक निर्धारण कर भारत सरकार को आगामी कार्यवाही हेतु भेजे गये हैं ।

2009-10 के लक्ष्य

1. सर्वे करके औषधीय पौधों के नमूने एकत्र करना ।
2. औषधीय पौधों की पहचान ।
3. बीज तथा पौध का चयन करना ।
4. कच्ची जडीबूटियों की पहचान ।
5. औषधियों की पहचान ।
6. एसओपीओ परियोजना ।
7. औषध परीक्षण प्रयोगशाला के परिसर में औषधीय पौधे लगाना ।
8. **Sher-e-Kashmir University of Agriculture Science & Technology, Jammu** के साथ परियोजना **Free Radical Scavenger & antioxidant activities of selected North Western Himalaya Plant'** के लिये कार्य करना ।

वर्ष 2009-10 में हर्बल गार्डन जोगिन्दरनगर के परिसर में निम्न पौधे लगाए जाएंगे ।

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| 1. कालमेघ       | 11. बाबुई तुलसी |
| 2. सफेद मूशली   | 12. काली तुलसी  |
| 3. शतावर        | 13. तुलसी       |
| 4. ब्रह्मी      | 14. सर्पगन्धा   |
| 5. सनाय         | 15. ऐरण्ड       |
| 6. अमलताश       | 16. स्टीविया    |
| 7. कपूर         | 17. हरड         |
| 8. तेजपत्र      | 18. बहेडा       |
| 9. जिन्को       | 19. आमला        |
| 10. मण्डूकपर्णी | 20. अश्वगन्धा   |

## VI अन्य गतिविधियाँ

वर्ष 2008-09 की वनस्पति वन परियोजना की

प्रगति सूचना

1. परिसर के बाहर कार्यक्रम
  1. चम्बा (माणी संग्रह) तथा कुल्लू कोठी के तीन विभिन्न स्थानों पर तीन प्रशिक्षण केम्प का आयोजन किया गया ।

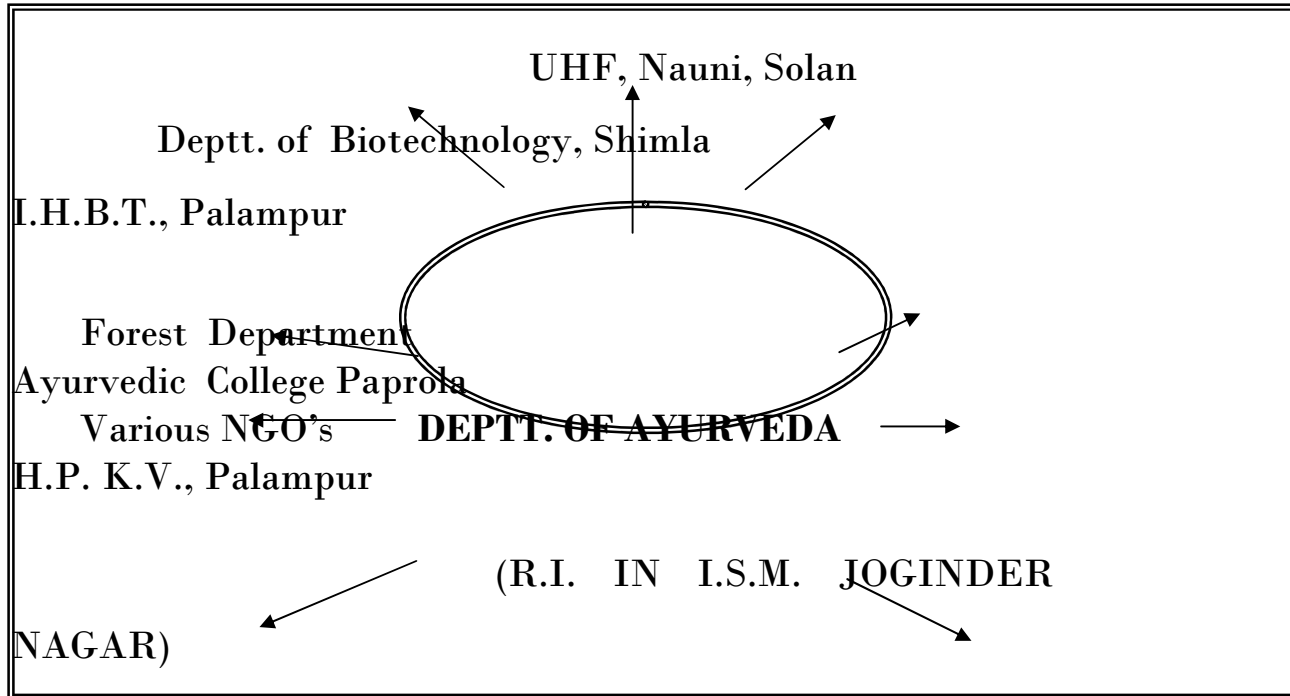
2. वन विभाग के कर्मचारियों को वनस्पति वन परियोजना के स्थानों पर तकनीकी सहायता दी गई । इसके अतिरिक्त किसानों के खेतों में मगपजम खेती बाडी करने के तरीके तथा नर्सरी को खेतों में लगाने के तरीके भी बताये गये ।

### Micropropagation Lab.

1. बडी मशीनों तथा अन्य यन्त्रों को प्रयोगशाला में लगाने का कार्य पूरा किया
2. प्रयोगशाला का तापमान नियन्त्रित करने के लिये जहां आवश्यकता थी ।पत बवदकपजपवदपदहँलेजमउ लगाया गया
3. प्रयोगशाला के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिये, रसायनों, शीशे के सामान तथा बवदेनउंइसम सामान की सूची बनाई ।
4. फर्नीचर खरीदा गया तथा उसको प्रयोगशाला में लगाया गया ।
5. **Hardening Chamber** स्थापित करने के लिए प्रक्रिया शुरू की ।
6. प्रयोगशाला में रोजाना कार्यक्रम जैसे कि **Trial testing of equipment** किये गये ।

आयुर्वेदिक अनुसंधान जोगिन्दरनगर, अन्य सरकारी विभागों तथा विश्वविद्यालयों / संस्थाओं से मिलकर औषधीय पौधों की जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जैसा कि निम्न चार्ट में दर्शाया गया है :

**अन्य विभागों तथा संस्थाओं के साथ कार्यक्रम**



H.P. Tourism, Shimla  
 R.R.L. Jammu  
 State Council for Science, Technology and Environment, H.P.

State Medicinal Plant Board,  
 National Medicinal Plant Board, Delhi  
 DRDA's Shimla (SMPB)  
 (NMPB)

1. वन विभाग के साथ गतिविधियाँ:- यह विभाग औषधीय पौधों की खेतीबाड़ी सम्बन्धित जानकारी जैसे कि पौध तैयार करना, पद पजम – मा पजम खेती बाड़ी वन विभाग को प्रदान कर रहा है ।
  2. वानिकी तथा कृषि विभाग हि0 प्र0 के साथ गतिविधियाँ:- यह संस्थान तकनीकी जानकारी उक्त विभाग को प्रदान कर रहा है ।
  3. प्रदेश कृषि विभाग के साथ कार्यक्रम:- यह विभाग प्रदेश के विभिन्न कृषि विभाग के साथ उनके प्रतिभागियों को औषधीय पौधों की खेतीबाड़ी तथा पहचान सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर रहा है ।
  4. प्रदेश तथा राष्ट्रीय मैडीसीनल प्लांट बोर्ड:- आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान जोगिन्दरनगर, प्रदेश तथा राष्ट्रीय मैडीसीनल बोर्ड के कार्यक्रमों को पूरा करने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा कार्यक्रमों को पूरा करने के लिये तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है ।
- STATE & NATIONAL MEDICINAL PLANT BOARD :**

The Research Institute in ISM, Joginder nagar is actively involved in providing the technical guidance for the implementation of programs and policies of State Medicinal Plant Board, Deptt. of Ayurveda in H.P. under the National Medicinal Plant Board on various aspects of medicinal plants of state.

**Detail of undergoing projects at R.I. in ISM, Joginder nagar :**

Presently, the following projects are being carried out / implemented /monitored through this Institute on various aspects of medicinal plants sanctioned by different funding agencies:-

<b>Sr. NO.</b>	<b>Title of Project</b>	<b><u>Year</u></b>	<b><i>Sanctioning Authority</i></b>	<b><i>Time Period</i></b>	<b><i>Sanctioned Amount</i></b>
1.	Establishment of Vanaspati Van	1999-2004	Ministry of Health & FW,	5 yrs	5.16 crores

	project (at Kullu, Chamba & Jogindernagar) in joint collaboration with Forest deptt., HP	extended upto 31-03- 2009	(RCH), G.O.I		
2.	<b>Infrastructure development</b> for determination and standardization of drying and storage techniques of raw herbal material in H.P. <i>for Herbal Garden Neri, H/pur</i>	2002-05 extended upto 2007	Ministry of Health & FW, NMPB, G.O.I	3 yrs	18.00 lacs
3.	The Production of Nucleus / Basic Planting Material for Medicinal Plants under <b>Horticulture Technology Mission - Mini Mission-I</b>	2004-07	Horticulture Technology Mission -MM-I, Deptt. of Horticulture, H.P.	3 yrs	11.01 lacs
4.	Propagation of <b>QPM</b> & Seed Production <i>for Herbal Garden Dhumreda, Rohru (Shimla)</i>	2004-07	Ministry of Health & FW, NMPB, G.O.I	3 yrs	15.00 lacs
5.	Propagation of <b>QPM</b> of high valued medicinal plants for promoting <b>contract farming</b> in H.P. <i>for Herbal</i>	2004-07	-- do --	3 yrs	15.00 lacs

	<i>Garden Dhumreda, Rohru (Shimla)</i>				
6.	Production and utilization of herbs in collaboration with herbal gardens & pharmacies of the AYUSH Deptt. of H.P. <b>(For 4 Herbal Gardens)</b>	2007-10	-- do --	3 yrs	24.00 lacs
7.	Establishment of Progeny Herbal Garden	2007-08	Deptt. of Hort. H.P.	1 year	03.00 lacs
8.	Promotional activities of medicinal plants at Herbal Garden Jungle-Jhalera Distt. Bilaspur	2007-10	Ministry of Health & FW, NMPB, G.O.I	3 yrs	15.00 lacs

**Farmers Training camps organized under state budget/centrally sponsored project for the year 2008 -09 under RI ISM and in out provided to the farmers during camps.**

<b>S.No</b>	<b>Particulars</b>	<b>No. of participants</b>	<b>In put provided luch,pen &amp; slip paid</b>
1	One day farmers camp on 3-5-08 at H.G.Neri Distt. Hamirpur under Pr. No.GO/HP-40/2002	65 Nos	Do
2	One day farmers camp	63 Nos	Do

	on 12-6-08 at Vill. Janglik Chirgaon(Rohru)under Pr. No. GO/HP-3/2005		
3	One day farmers camp on 15-10-08 at H.G. Dhumreda Shimla under Pr. No.GO?HP-3/2005	69 Nos	Do
4	Two days camp on 11-6- 08 at H.G. institute Jogindernagar sponsored by Nalagarh Forest Division	25 Nos	No input provided by the institute
5.	Three days camp 7-8-9- 01-2008 at H.G. Jodindernagar sponsored by B.D.O Ghumarwin Bilaspur	25 Nos	Do

## **Note**

1 Establishment of Vanaspati Van project ( at Kullu,Chamba & Jogindernagar ) in joint collaboration with Forest deptt. HP- The Project has been Terminated by Govt. of India.

2 Infrastructure development for determination and standardization of drying storage techniques of raw herbal material in H.P. for Herbal Garden Neri H/Pur-**The Project has been completed and the Utilisation Certificate is being sent.**

3 The Production of Nucleus/Basic Planting Material for Medicinal Plants under **Horticulture Technology Mission-Mini Mission- The Project has been successfully completed.**

4 Propagation of **QPM** & Seed Production for Herbal Garden Dhumreda,Rohru (Shimla) and Propagation of **QPM** of high valued medicinal plants for promoting **contract farming** in H.P. for Herbal Garden Dhumreda Rohru ( Shimla **Only one instalment was received and now the project has been terminated by the NMPB.**

5 Promotional activities of medicinal plants at Herbal Garden Jungle- Jhalera Distt. Bilaspur- **The work of this Project has been handed over the DAO Bilaspur.**

## **VII. Right to Information and obligations of Public authorities.**

## **Information regarding implementation of Right to Information Act in the Department.**

As per the instructions issued from time to time by the Govt. the Right to Information Act is being implemented in letter & spirit. Department has also made available the information on the web site to the general public. During the quarter ending on 31<sup>st</sup> March, 2009 the department has received 33 applications under Right to information Act and reply of the same have also been sent to the applicants. Two applications for inspection received by the department and request acceded and inspection & desired document allowed. Besides this, 04 appeals also received by the department. In this regard desired information on 03 has been given and matter is under process for one. For the implementation of RTI Act Training/ awareness camps for the PIOs have also been conducted at Directorate and notifications/ circulars received from the Govt. for the implementation of RTI Act have also been sent to the sub offices for necessary compliance.

## Summary

A. Applications received under RTI during the financial year 2008-09	Application accepted	Rejected	Information furnished	Pending.
97	97	Nil.	97	Nil.
B. Appeals received during <u>above period.</u>	<u>Appeals accepted</u>	<u>Rejected</u> Nil	--	--
4	4		04	Nil
C. Complaints/ appeals <u>made to the SIC</u>	<u>Disposal by SIC</u>	xx	<u>Action</u> SIC advised to endorse copy of transfer of application simultaneously to the applicant.	Nil
1 complaint	<u>1</u>			

**The names, designation and other particulars of  
the public information officers.**

**At Government level**

<b>S. No.</b>	<b>Designation</b>	<b>Complete Office Address</b>	<b>Office Telephone No.</b>	<b>E-mail Address</b>	<b>Jurisdiction/Units under his control for which he will rendering information to application</b>
1.	Principal Secretary Ayurveda Appellate Authority	#201 Armsdale Building ,H.P. Secretariat, Shimla-2	0177-2620560	--	Administrative Department at Secretariat Level
2.	Deputy Secretary Ayurveda Public Information Officer	#207 Armsdale Building ,H.P. Secretariat,	0177-2828498	--	-do-
3.	Section Officer, Ayurveda Asstt. Public Information Officer	#527 Armsdale Building ,H.P. Secretariat,	0177-2880504	--	-do-

--	--	--	--	--	--

**The names / designation of PIO/ APIO and Appellate Authority**

**Directorate Level**

DEPARTMENT/PUBLIC AUTHORITY: -Director, Indian System of Medicine & Homeopathy, H.P. Shimla-9.

Directorate level

S.No.	Name of Officer	Designated as	Tel. No.	Jurisdiction
1.	Director	Appellate Authority	0177-2623066 Extension--42	At Directorate level ISM&H
2.	Assistant Director	P.I.O.	0177-2623066 Extension--24	At Directorate level ISM&H
3.	Supdt. Estt.-I	A.P.I.O.	0177-2623066 Extension--39	At Directorate level ISM&H

**Field Level**

DEPARTMENT / PUBLIC AUTHORITY: -  
Director, Indian System of Medicine & Homeopathy, H.P. Shimla-9.

S. No.	Name of P.I.O.	Address	Tel. No.	Jurisdiction for which he will be rendering information to the applicants
1.	District Ayurvedic officer	O/o DAO- Bilaspur		Distt. Bilaspur
2.	District Ayurvedic	O/o DAO- Chamba	222669	Distt. Chamba

	<b>officer</b>			
<b>3</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Hamirpur</b>	<b>222539</b>	<b>Distt. Hamirpur</b>
<b>4.</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Kangra at Dharamshala</b>	<b>223202</b>	<b>Distt. Kangra</b>
<b>5.</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Kinnaur at Recong-Peo</b>	<b>222209</b>	<b>Distt. Kinnaur</b>
<b>6.</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Kullu</b>	<b>222637</b>	<b>Distt. Kullu</b>
<b>7</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-L&amp;S at Keylong</b>	<b>222271</b>	<b>Distt. L&amp;S</b>
<b>8</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Mandi</b>	<b>223362</b>	<b>Distt. Mandi</b>
<b>9</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Shimla</b>	<b>2658628</b>	<b>Distt. Shimla</b>
<b>10</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Sirmaur</b>	<b>222567</b>	<b>Distt. Sirmaur</b>
<b>11</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Solan</b>	<b>223538</b>	<b>Distt. Solan</b>
<b>12</b>	<b>District Ayurvedic officer</b>	<b>O/o DAO-Una</b>	<b>226011</b>	<b>Distt. Una</b>
<b>13</b>	<b>Principal</b>	<b>R.G.G.PG. Ayurvedic College Paprola..</b>	<b>242064</b>	<b>For College</b>
<b>14</b>	<b>Medical Superintendent</b>	<b>Regional Ayurvedic Hospital</b>	<b>2621753</b>	<b>For RAH Shimla</b>

		<b>Shimla-2</b>		
<b>15</b>	<b>Medical Superintendent</b>	<b>Regional Ayurvedic Hospital Paprola</b>	<b>242941</b>	<b>For RAH Paprola.</b>
<b>16</b>	<b>Manager</b>	<b>Govt. Ay. Pharmacy Joginder Nagar</b>	<b>222048</b>	<b>For Pharmacy Jogindernagar</b>
<b>17.</b>	<b>Manager</b>	<b>Govt. Ayurvedic Pharmacy Majra</b>	<b>255122</b>	<b>For pharmacy Majra.</b>
	<b>Project Officer</b>	<b>Govt. Research institute in ISM Joginder Nagar</b>	<b>222970</b>	<b>For Research Centre</b>
<b>19.</b>	<b>Incharge(Drug Analyst)</b>	<b>Govt .Drug testing Laboratory</b>	<b>222092</b>	<b>For DTL Jogindernagar</b>
<b>20.</b>	<b>Registrar, Board of Ayurvedic and Unani System of Medicine,(H.P.)</b>	<b>Directorate of Ayurveda &amp; H.P.Shimla-9</b>	<b>01772623 066 Ext. 40</b>	<b>Whole State</b>
<b>21.</b>	<b>Registrar, Council of Homoeopathic System of Medicines(H.P.)</b>	<b>Regional Ayurvedic Hospital, Shimla-2</b>	<b>0177-2621753</b>	<b>Whole State</b>

उत्तरदायी प्रशासन –जन शिकायत एवं समस्याओं को प्रभावशाली निवारण एवं रोकथाम हेतु शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 2007-08

क्रम संख्या	पद	कार्यालय दूरभाष	मोबाईल न0
-------------	----	-----------------	-----------

1	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी विलासपुर	01978.-222486	9418059202
2	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी,धुमारवी	.-	98173-.39553
3	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी,चम्बा	01899-222669	94181.-86727
4	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी,टुण्डी	-	94184.-72690
5	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी,तुन्नूहटी	-	98162-76948
6	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, भरमौर	-	94184-73323
7	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, पांगी	-	94182-67772
8	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, भंजराडू	-	94182-30320
9	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी हमीरपुर	01972-222539	94184-21248
10	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी.मैहरे	-	94182.-14545
11	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी. घर्मशाला	01892-223202	94182-45962
12	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी बैजनाथ	-	94182-19656
13	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी ,बालकरुपी	-	94184-73517
14	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा कांगडा	-	94183-47448
15	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी नुरपुर	-	94184-67168
16	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी पालमपुर	-	94184-25513
17	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी देहरा	-	94183-05108
18	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी राजा का तालाव	-	98160-8414
19	जिला आयुर्वेदिक	01786-22209	94185-46685

	अधिकारी, किन्नौर स्थित रिकांगपिओ		
20	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, निगुलसरी	—	—
21	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुल्लू	01902-222637	98174-20535
22	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, आनी	—	94181-36791
23	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, बन्जार	—	94180-26581
24	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, केंलाग	01900-222271	98161-05711
25	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, स्पिति		94183-66360
26	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी मण्डी	01902-223362	94181-93549
27	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, जोगिन्द्रनगर	—	94184-03331
28	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, चैलचोक	—	94180-57149
29	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, सुन्दरनगर	—	98170-08110
30	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, सरकाघाट	—	94182-01154
31	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, ममेल (करसोग)	—	94180-93937
32	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, शिमला	0177-2658628	94180-33666
33	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, सन्धु	—	98161-47180
34	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, रामपुर	—	94180-67657
35	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, नेरवा	—	94184-79657
36	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, रोहडू	—	98161-73724
37.	कार्यकारी जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, सोलन	01792-223538	93185-00410
45	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी कडाघाट	—	93185-00410
38.	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक	—	94184-90348

	चिकित्सा अधिकारी जलाना		
39	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी नालागढ	—	94184—53474
40	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी,नाहन	01702—222567	94180—25776
41	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी.सुरजपुर	—	94184—78806
42	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी.राजगढ	—	94180—32264
43	जिला आयुर्वेदिक अधिकारी.उना	01975—226011	94184—87805
44	उपमण्डलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी.अम्ब स्थित भन्जाल	—	94180—47604

### **Budgetary Provision.**

- 1. Five Year Plan = Rs. 27374 Lacs**
- 2. Annual Plan 2008-09 = Rs. 1564.18 Lacs**

